वर्ष-14 - अंक 125
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
गुरुवार ,13 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कल्लापुर से निकली पांचवीं कांवड़ यात्रा, बम-बम भोले 3

इधर एक रक्षा समझौता कर उछल रहा पाकिस्तान..... 4

विकास कार्यों पर उठे गंभीर सवाल, ग्रामीणों ने प्रधान-सचिव पर लगाए 08

फरीदाबाद की ग्लोबल सिटी में बनेगा विश्वस्तरीय आइकॉनिक टावर : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद में विकसित की जा रही ग्लोबल सिटी में विश्वस्तरीय आइकॉनिक टावर बनाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल सिटी में बिजली, पानी समेत सभी मूलभूत सुविधाओं को आगामी तीन माह में पूरा करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में राज्य प्रगति पोर्टल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 1000 एकड़ में विकसित की जा रही ग्लोबल सिटी के भौतिक विकास का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। परियोजना पर करीब 1000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं और शेष कार्य दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ग्लोबल सिटी के विकसित होने से क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट एवं सुव्यवस्थित योजना के तहत विकसित होने वाली ग्लोबल सिटी में शिक्षण एवं स्वास्थ्य संस्थानों के अलावा मॉल, थिएटर, लग्जरी होटल, सामुदायिक केंद्र और विवाह स्थल विकसित किए जाएंगे। यहां नमो भारत मेट्रो ट्रेन चलाने की योजना भी है। इसके साथ ही विशेष जल शोधन संयंत्र और हरित झील बनाई जाएगी।

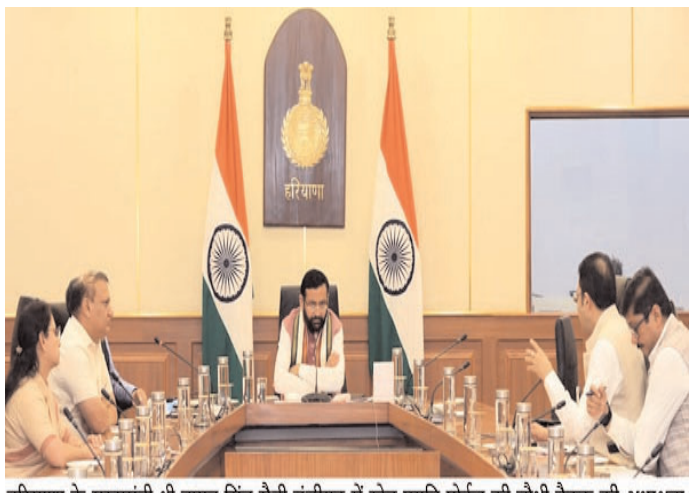

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में स्टेट प्रगति पोर्टल की चौथी बैठक की अध्यक्षता करते हुए। (12.08.2026)

शहर को द्वारका एक्सप्रेसवे से जोड़ने का कार्य भी किया जाएगा, जिससे आवागमन सुगम होगा। मुख्यमंत्री ने नांगल चौधरी में विकसित किए गए एकीकृत बहु-मॉडल लॉजिस्टिक हब की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि यहां बिजली, सिंचाई, सड़क, बाहरी रेल साइडिंग और आंतरिक रेल यार्ड का काम पूरा हो चुका है। आंतरिक इन-मोशन वे ब्रिज का निर्माण भी किया जा रहा है, जिसे अगले छह माह में पूरा करने का लक्ष्य है। इस परियोजना के तहत चलने वाली विशेष ट्रेन का मुख्यमंत्री 23 अगस्त को स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार में विकसित किए जा रहे औद्योगिक विनिर्माण क्लस्टर में व्यापक स्तर पर बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। यहां कौशल विकास केंद्र, सम्मेलन केंद्र, प्रदर्शनी हॉल, लॉजिस्टिक पार्क, बहु-विशेषता अस्पताल, रक्षा एवं एयरोस्पेस, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण, परिधान एवं वस्त्र उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों को विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आईएमसी में हवाई अड्डे के लिए जलापूर्ति व्यवस्था और 220 केवी का विद्युत उपकेंद्र बनाया जा रहा है। हवाई अड्डे के प्रथम चरण के लिए 1578 एकड़ भूमि की चारदीवारी का कार्य भी जारी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वदेश योजना-2 के तहत पंचकूला के यादविंद्रा गार्डन को रोजगार सृजन और पर्यटन केंद्र के रूप में और विकसित किया जाएगा। गार्डन के नवीनीकरण के साथ यहां उच्चस्तरीय एकीकृत विवाह, सम्मेलन एवं आतिथ्य केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा 100 कमरों का होटल बनाने की योजना है। उन्होंने पिंजौर हवाई पट्टी के विस्तार के लिए भी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही टिक्करताल में साहसिक पर्यटन पार्क विकसित करने तथा थापली के एडवेंचर पार्क को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त एवं सचिव के. मकरंद पांडुरंग, विशेष सचिव प्रियंका सोनी, एचएसआईडीसी के प्रबंध निदेशक सुशील सारवान, पर्यटन विभाग के निदेशक पार्थ गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

विनिर्माण क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार, 10.88 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि संशोधित राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 से 2025-26 के बीच स्थिर कीमतों पर विनिर्माण क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 10.88 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह ने लोकसभा में बताया कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल जीवीए में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने और वैश्विक एवं बाहरी चुनौतियों के प्रभाव को कम करने के लिए कई संरचनात्मक सुधार और योजनाएं लागू की हैं। मंत्री ने बताया कि सरकार की प्रमुख पहलों में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं, पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति, भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य), सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजनाएं तथा महत्वपूर्ण खनिजों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से जुड़ी पहल शामिल हैं। इसके अलावा सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने, कारोबार सुगमता में सुधार तथा राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास

कार्यक्रम के माध्यम से भी विनिर्माण क्षेत्र को गति दी जा रही है। केंद्र के अनुसार इन पहलों का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना, आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाना, रणनीतिक क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता कम करना और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाना है। इससे भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता और मजबूती बढ़ाने में मदद मिलेगी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। संशोधित राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला फरवरी 2026 में जारी की गई थी। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार मध्यम और उच्च प्रौद्योगिकी वाले उद्योग भारत के विनिर्माण मूल्य वर्धन में 46.3 प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। यह देश के विनिर्माण ढांचे में आधुनिक और तकनीक आधारित उत्पादन की ओर बढ़ते बदलाव को दर्शाता है। सरकार का मानना है कि संरचनात्मक सुधारों, क्षेत्र आधारित पहलों और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के साथ विनिर्माण क्षेत्र 2047 तक भारत को 35 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

एसीबी कार्रवाई के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी की शक्तियां वापस

जयपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय ने एसीबी की कार्रवाई के बाद सलूम्बर में कार्यरत अधिकृत खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी की खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में प्रदत्त शक्तियां तत्काल प्रभाव से वापस ले ली हैं। यह कार्रवाई उनके संबंध में प्राप्त शिकायत और अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सलूम्बर से मिली तथ्यात्मक रिपोर्ट के आधार पर की गई है। घनश्याम सिंह सोलंकी मूल रूप से वरिष्ठ रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें पूर्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी की शक्तियां प्रदान की गई थीं। अब उन्हें इस प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। इस संबंध में विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। सोलंकी को तत्काल निदेशक (अराजपत्रित), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, राजस्थान, जयपुर के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सलूम्बर को उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार कर निदेशालय के माध्यम से आयुक्तालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने भर्ती परीक्षा प्रक्रिया में बड़े बदलाव के लिए एक कमेटी बनाई

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को महाराष्ट्र में अलग-अलग सरकारी सेवाओं के लिए भर्ती परीक्षा प्रक्रिया में व्यापक, सुरक्षित और सबकी सहमति वाले सुधार लागू करने के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाने का फैसला किया। कमेटी को निर्देश दिया गया है कि वह राज्य के हर रेवेन्यू डिवीजन का दौरा करे, छात्रों से सीधे बातचीत करे और सिस्टम में बड़े बदलाव के उपायों की जानकारी देने वाली एक संयुक्त रिपोर्ट सौंपे। बैठक में मौजूद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भी कई अहम सुझाव दिए। मुख्यमंत्री का यह फैसला हाल ही में जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों और झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) व झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) की भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर झारखंड में चल रहे छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच आया है। सीएम फडणवीस ने अपने सरकारी आवास 'वर्षा' में बुलाई गई एक खास बैठक के दौरान ये निर्देश दिए। जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, वी. राधा इस हाई-लेवल पैनल की अध्यक्षता करेंगी।

हवारा को मानवीय आधार पर 10 दिन की पैरोल देने की मांग, राज्यपाल से मिले सीएम मान

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर जगतार सिंह हवारा को मानवीय आधार पर 10 दिन की पैरोल देने के मामले में हस्तक्षेप की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हवारा की बीमार और बुजुर्ग मां पिछले 31 वर्षों से अपने बेटे से मिलने की उम्मीद लगाए बैठी हैं। उनकी बिगड़ती सेहत को देखते हुए मान ने जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले की सुनवाई दिल्ली में होने के कारण पैरोल के लिए राज्यपाल की सिफारिश आवश्यक है। उन्होंने राज्यपाल से मानवीय पहलू को ध्यान

में रखते हुए हवारा को अपनी मां से मिलने के लिए 10 दिन की पैरोल देने पर विचार करने का अनुरोध किया। भगवंत मान ने बताया कि हवारा की मां उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही हैं और वर्तमान में उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बेटे को मां से मिलने का अवसर मिलना मानवीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को भरोसा दिलाया कि यदि पैरोल दी जाती है तो कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी पंजाब सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि हवारा के घर जाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए सरकार आवश्यक सभी कदम उठाएगी। मान ने कहा कि पंजाब में लंबे संघर्ष के बाद शांति स्थापित हुई है और राज्य सरकार इसकी हर कीमत पर रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इस मामले में केंद्र सरकार के साथ आगे की प्रक्रिया में पंजाब सरकार पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हवारा के समर्थकों और परिवार के सदस्यों ने भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सरकार को सहयोग देने का भरोसा दिया है। उन्होंने राज्यपाल से मामले पर जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया।

भाजपा के प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहा 'अकाली दल' : हरपाल सिंह चीमा

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बुधवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अकाली दल, भाजपा के प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहा है। चीमा ने यहां मीडिया से कहा कि 'चिट्टा पार्टी' (शिअद) ने अपने सिद्धांतों को पूरी तरह से छोड़ दिया है और अब 'ईडी पार्टी' (भाजपा) और केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रवक्ता के तौर पर काम कर रही है। यह हैरानी की बात है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा डीजीपी को भेजे गए एक पत्र का इस्तेमाल अकाली दल आम आदमी पार्टी को बदनाम करने के हथियार के तौर पर कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे साफ पता चलता है कि शिअद, भाजपा की एक सहयोगी शाखा और प्रवक्ता के तौर पर काम कर रही है और राजनीतिक रूप से खुद को बचाने की बेताब कोशिश कर रही है। जनता को 2007 से 2017 के दौर की याद दिलाते हुए उन्होंने पंजाब के सामाजिक ताने-बाने, अर्थव्यवस्था और युवाओं को बर्बाद करने के लिए पिछली शिअद-भाजपा सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग बड़े पैमाने पर फैली ड्रग्स की समस्या श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी और उस व्यापक भ्रष्टाचार को नहीं भूले हैं, जिसकी वजह से राज्य को दुखद रूप से 'उड़ता पंजाब' का नाम मिला था।

सीबीआई अदालत ने धोखाधड़ी मामले में पूर्व बैंक प्रबंधक और दो अन्य को सजा सुनाई

जयपुर(एजेंसी)। जयपुर की एक विशेष सीबीआई अदालत ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पूर्व शाखा प्रबंधक सहित तीन लोगों को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराया और सजा सुनाई है। इस मामले में अवैध ऋण स्वीकृत किए गए थे, जिससे बैंक को कथित तौर पर 3.61 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। सीबीआई द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोषियों में जयपुर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की गोपालपुरा बाईपास शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक राम भरोसे मीना और दो अन्य निजी व्यक्ति दीप राम मीना और वीर सिंह मीना शामिल हैं। अदालत ने राम भरोसे मीना को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उन पर 2.60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। दो सह-आरोपियों, दीप राम मीना और वीर सिंह मीना को तीन-तीन साल के कठोर कारावास के साथ 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। यह मामला 9 नवंबर, 2016 को जयपुर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के क्षेत्रीय कार्यालय की शिकायत के बाद सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राम भरोसे मीना ने शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत रहते हुए दो निजी व्यक्तियों के साथ आपराधिक साजिश रची और 15 जनवरी, 2015 से 6 मई, 2015 के बीच 17 खातों में धोखाधड़ी से ऋण स्वीकृत किए।

कर्नाटक में विभागों का बंटवारा तय, राज्यपाल को भेजी सूची

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक में नए मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे को लेकर चल रही अटकलों पर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रियों को विभाग सौंपने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अंतिम सूची मंजूरी के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत को भेज दी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कैबिनेट में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जा रहा है और विभागों की सूची जल्द ही सार्वजनिक कर दी जाएगी। बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विभागों के बंटवारे में हो रही देरी और मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल से

जुड़े सवाल पर शिवकुमार ने कहा कि विभागों के बंटवारे की सूची अंतिम रूप से तैयार कर ली गई है। इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ ही घंटों में मीडिया को भी इसकी जानकारी मिल जाएगी। विभागों के बंटवारे से पहले नए और वरिष्ठ मंत्रियों के बीच महत्वपूर्ण विभाग हासिल करने को लेकर जोरदार प्रयास किए जाने की चर्चा थी। सूत्रों के मुताबिक, खाद्य मंत्री केएच मुनियप्पा सामाजिक कल्याण विभाग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक हैं। वहीं सिद्धारमैया सरकार में पहले मंत्री रह चुके जमीर अहमद खान, एन. चेलुवरायस्वामी, संतोष लाड, मधु बंगारप्पा और एसएस मल्लिकार्जुन अपने पुराने विभाग बरकरार रखने की मांग कर रहे थे। दूसरी ओर नए मंत्रियों में के. शिवलिंगेगौड़ा, रिजवान अरशद, केएस बसंतप्पा, पीएम नरेंद्र स्वामी, एचसी बालकृष्ण और अजय सिंह समेत कई नेता भी महत्वपूर्ण विभाग हासिल करने के लिए प्रयासरत बताए जा रहे थे। माना जा रहा है कि विभागों का बंटवारा नए मंत्रियों की राजनीतिक और प्रशासनिक भूमिका तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। सूत्रों के अनुसार विभागों के बंटवारे को लेकर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर लगातार दबाव था और कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भी पूरी प्रक्रिया पर नजर रख रहा था। मुख्यमंत्री के कई बार दिल्ली दौरे के बावजूद बुधवार तक विभागों के बंटवारे को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका था। विभागों के बंटवारे में देरी को लेकर सरकार पर विपक्ष का दबाव भी बढ़ रहा था। खास तौर पर विधानसभा का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू होने के कारण सरकार के लिए यह मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया था। विपक्ष विभागों के बंटवारे में देरी को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में था।

पांच किलोमीटर लंबे तिरंगे के साथ इतिहास रचने को तैयार

पलवल(एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पलवल में 13 अगस्त को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। खेल मंत्री गौरव गौतम के नेतृत्व में आयोजित होने वाली इस यात्रा में हजारों लोग करीब पांच किलोमीटर लंबे और 10 फीट चौड़े तिरंगे के साथ कदम से कदम मिलाएंगे। आयोजन का उद्देश्य देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। आयोजकों की ओर से इस ऐतिहासिक आयोजन को गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने का भी प्रयास किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार तिरंगा यात्रा 13 अगस्त को सुबह सात बजे पलवल पुलिस लाइन से शुरू होगी। यात्रा आगरा चौक होते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम पहुंचेगी। यात्रा के दौरान शहर में देशभक्ति का माहौल बनाने के साथ बड़ी

संख्या में युवाओं, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है। पांच किलोमीटर लंबे तिरंगे को पूरे सम्मान और अनुशासन के साथ यात्रा मार्ग पर ले जाया जाएगा। खेल मंत्री गौरव गौतम ने सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं और कार्यकर्ताओं से यात्रा में अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि तिरंगे की शान में पलवल इतिहास रचने के लिए तैयार है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से निर्धारित स्थान पर अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभाने और तिरंगे की गरिमा बनाए रखने का आह्वान किया। गौरव गौतम ने कहा कि यह केवल तिरंगा यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की सामूहिक अभिव्यक्ति होगी। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में इसमें शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि तिरंगा देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। यात्रा के दौरान तिरंगे के सम्मान और उसकी गरिमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। आयोजकों का कहना है कि पांच किलोमीटर लंबे तिरंगे के साथ हजारों लोगों की सहभागिता इस आयोजन को विशेष बनाएगी। इसके माध्यम से पलवल से देशभर में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन को यादगार बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। केंद्र सरकार की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद लोगों से अपने घरों, कार्यालयों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया गया है। इसी क्रम में हरियाणा में भी जिला स्तर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

पंजाब के गांवों में लगेंगी तीन लाख सोलर स्ट्रीटलाइट

चंडीगढ़(एजेंसी)। नए और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के मंत्री अमन अरोड़ा ने बुधवार को कहा कि पंजाब 470 करोड़ रुपए की लागत से हर गांव में तीन लाख एलईडी-बेस्ड सोलर स्ट्रीटलाइट लगाएगा। राज्य के सभी 23 जिलों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के तौर पर, राज्य सरकार ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा, कनेक्टिविटी और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायतों को क्लीन एनर्जी लाइटिंग से लैस कर रही है। अरोड़ा ने यहां मीडिया को बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट की लागत का 70 प्रतिशत हिस्सा देगी, जबकि बाकी 30 प्रतिशत खर्च ग्राम पंचायतें उठाएंगी। उन्होंने कहा कि यह पहले के 30:70 के अनुपात से एक बड़ा बदलाव है, जिससे ग्राम निकायों पर बहुत ज्यादा आर्थिक बोझ पड़ता था। यह फैसला पंचायत स्तर पर सीमित आर्थिक संसाधनों को ध्यान में रखते हुए और सभी पंचायतों को इस कार्यक्रम में भाग लेने का समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। अरोड़ा ने कहा कि यह पहल ग्राम पंचायतों में सुरक्षा बढ़ाने, ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने के राज्य सरकार के इरादे को दिखाती है। पंजाब की 62.51 प्रतिशत आबादी, यानी लगभग 173.20 लाख लोग, ग्रामीण इलाकों में रहते हैं और अंधेरी सड़कों पर दुर्घटनाओं और अपराध का खतरा बना रहता है। पंजाब एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (पीईडीए) इस प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए नोडल एजेंसी के तौर पर काम करेगी। यह सोलर स्ट्रीटलाइट लगाने और मौजूदा सिस्टम की पूरी तरह से मरम्मत और नवीनीकरण की देखरेख करेगी।

संक्षिप्त खबरें

कोर्ट के आदेश पर 17 अगस्त को होगी संपत्ति की नीलामी

गोलाबाजार गोरखपुरः गोला तहसील प्रशासन ने न्यायालय के आदेश पर क्षेत्र के मझवलिया गांव निवासी रमाकान्त पुत्र लौरिक की संपत्ति की नीलामी की तैयारी शुरू कर दी है। बकाया भुगतान में असफल रहने पर न्यायालय ने संबंधित भूमि व अचल संपत्ति की नीलामी के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार संपत्ति की सार्वजनिक बोली 17 अगस्त 2026 को सुबह 11 बजे से तहसील सभागार गोला में कराई जाएगी। न्यायालय से जारी आदेश में बताया गया है कि नीलामी निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। नीलामी में इच्छुक बोलीदाता निर्धारित प्रक्रिया के तहत भाग ले सकेंगे। तहसील प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार संबंधित बकायेदार को नीलामी की सूचना जारी करते हुए आवश्यक कार्रवाई की है। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में तहसील प्रशासन द्वारा संपत्ति की नीलामी कर बकाया धनराशि की वसूली की जाएगी।

नवजात को बेचे जाने की अफवाह निकली भ्रामक, बच्चा परिवार के साथ सुरक्षित

देवरिया। मेडिकल कॉलेज में जन्मे नवजात को बेचे जाने की अफवाह पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने स्थिति स्पष्ट करते हुए इसे पूरी तरह भ्रामक और असत्य बताया है। उन्होंने कहा कि संबंधित बच्चा पूरी तरह सुरक्षित है और अपने परिवार के साथ है। डीएम ने लोगों से अपील की कि बिना तथ्यात्मक पुष्टि किसी भी सूचना पर विश्वास न करें और न ही उसे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर प्रसारित करें। उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहों से संबंधित परिवार को अनावश्यक परेशानी होती है और जिले की छवि भी प्रभावित होती है। जिलाधिकारी ने बच्चे और उसके परिवार की निजता का सम्मान करते हुए उनकी पहचान या नाम सार्वजनिक नहीं करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास ऐसी किसी घटना या शिकायत से जुड़ी वास्तविक जानकारी है तो वह तत्काल जिला प्रशासन को अवगत कराए। प्रशासन द्वारा प्राप्त शिकायत या सूचना की तथ्यात्मक जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने आमजन से अपील की कि अफवाहों से बचें और किसी भी संदिग्ध सूचना को सत्यापित किए बिना साझा न करें। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में सभी का दायित्व है कि अपुष्ट सूचनाओं के प्रसार से बचें और प्रशासन को सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

टीएचआर इकाइयों में रोज पांच मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य, जेडीसी ने दिए निर्देश

देवरिया। जेडीसी गोरखपुर प्रेम प्रकाश त्रिपाठी ने बुधवार को जिले में संचालित टेक होम राशन उत्पादन इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने देवरिया सदर स्थित नारी एकता महिला लघु उद्योग और गौरी बाजार स्थित स्वगत प्रेरणा महिला लघु उद्योग पहुंचकर उत्पादन, स्वच्छता और आंगनबाड़ी केंद्रों को राशन की आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जेडीसी ने एओपी सदस्यों को टीएचआर इकाइयों में प्रतिदिन न्यूनतम पांच मीट्रिक टन उत्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्पादन इकाइयों में स्वच्छता और साफ-सफाई के मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी आईसीडीएस केंद्रों तक टीएचआर की समयबद्ध आपूर्ति हो। जेडीसी ने कहा कि टीएचआर इकाइयां बच्चों और महिलाओं तक पोषण पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन इकाइयों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के अवसर भी मिल रहे हैं। उन्होंने इकाइयों के सुचारु संचालन, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और समयबद्ध आपूर्ति पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी और एओपी के सदस्य मौजूद रहे।

ग़ोला में मारपीट में युवक घायल, घर पर भी ईंट-पत्थर बरसाने का आरोप

मिर्च पाउडर आंखों में डालकर पीटने और जान से मारने की धमकी का आरोप, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला बाजार/गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के चक महेशपुर गांव में मारपीट का मामला सामने आया है। गांव निवासी इमरान पुत्र शमसाद ने पड़ोस के लोगों पर लाठी-डंडों से मारपीट करने, आंखों में लाल मिर्च पाउडर डालने, पोखरी में छोड़कर चले जाने तथा बाद में उसके घर पर ईंट-पत्थर चलाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर गोला पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित इमरान के अनुसार, वह 10 अगस्त की शाम करीब सात बजे गांव गया था। आरोप है कि इसी दौरान मेराज अंसारी पुत्र इसराइल, शहंशाह पत्नी मेराज, सलमान खान पुत्र जुबराइल अंसारी, परवेज पुत्र इसराइल तथा दो अन्य लोगों ने उसे अकेला पाकर घेर लिया।

आरोप है कि सभी ने लात-मुक्कों और लाठी-डंडों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान हमलावरों ने उसकी आंखों में लाल मिर्च पाउडर डाल दिया, जिससे वह बुरी तरह परेशान हो गया।

इमरान का आरोप है कि मारपीट करने के बाद आरोपी उसे पोखरी में छोड़कर चले गए। किसी तरह घटना के बाद वह अपने घर पहुंचा। पीड़ित के मुताबिक, मामला यहीं नहीं थमा। 11 अगस्त की सुबह करीब छह बजे आरोपियों ने उसके घर पर भी ईंट-पत्थर चलाना शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पुलिस के आपातकालीन नंबर 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मारपीट में इमरान के सीने समेत शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। पीड़ित ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोपियों से अपनी और परिवार की सुरक्षा को खतरा बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गोला थाना प्रभारी सीपी पांडेय ने बताया कि मामला संज्ञान में है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 191(2) और 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की जांच कर रही है।

डंपर की टक्कर से घायल बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत, चालक पर मुकदमा

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के भागूखेड़ा गांव में तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम करीब पौने पांच बजे भागूखेड़ा गांव में डंपर संख्या यूपी 32 जेडएन 3779 ने बाइक संख्या यूपी 41 बीएम 0082 में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बृजेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता बजरंग बली निवासी पकड़ी, थाना इटवा, जनपद सिद्धार्थनगर की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

डीएम ने चार स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुधवार को जिले के विभिन्न विकासखंडों के बेसिक विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने भटनी के प्राथमिक विद्यालय गांगी, भलुअनी के प्राथमिक विद्यालय पड़ौली, देवरिया के उच्च प्राथमिक विद्यालय मुजहना भटपुरवां तथा गौरी बाजार के आंगनबाड़ी केंद्र पोखरभिंडा का जायजा लिया। विद्यालयों में बच्चों व शिक्षकों की उपस्थिति संतोषजनक मिलने पर डीएम ने प्रसन्नता जताई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी स्वयं शिक्षक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने श्यामपट्ट पर बच्चों से गणित के सवाल हल कराए और सही उत्तर मिलने पर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। एक कक्षा में बच्चों के बीच नीचे बैठकर उनसे पुस्तक का पाठ भी पढ़वाया। उन्होंने शिक्षकों को निपुण लक्ष्य, निपुण तालिका और संदर्शिका के अनुरूप शिक्षण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्र पोखरभिंडा में बच्चों की कम उपस्थिति पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए कार्यकत्री को प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। 'पहल' पुस्तक के माध्यम से बच्चों को उम्र और क्षमता के अनुरूप गतिविधियों से जोड़कर बुनियादी दक्षताएं विकसित की जाएं, ताकि कक्षा एक में प्रवेश के समय वे निपुण बनने की दिशा में मजबूत आधार के साथ आगे बढ़ सकें।

महराजगंज में गूंजा राष्ट्रभक्ति का जयघोष, भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। आजादी के जश्न और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत महराजगंज कस्बे में बुधवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे सैकड़ों लोग पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा कस्बा देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया और जगह-जगह भारत माता की जय तथा राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। तिरंगा यात्रा में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू एवं उपजिलाधिकारी चंद्रप्रकाश गौतम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। यात्रा में युवाओं, जनप्रतिनिधियों और कस्बे के लोगों की उत्साहपूर्ण मौजूदगी देखने को मिली। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के साथ निकली इस यात्रा ने लोगों में देशप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया। यात्रा के दौरान तिरंगे की शान में लोग पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ते नजर आए। मार्ग में लोगों ने तिरंगा लहराकर राष्ट्र के प्रति अपने सम्मान और समर्पण का संदेश दिया। कस्बे में जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया, जिससे माहौल पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर रहा।

तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम, एकता, भाईचारे और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा। यात्रा में शामिल लोगों ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेते हुए आपसी सौहार्द का संदेश दिया। सैकड़ों लोगों की भागीदारी और उत्साह के चलते तिरंगा यात्रा महराजगंज कस्बे में आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी रही। यात्रा ने न केवल आजादी के पर्व की खुशी को साझा किया, बल्कि लोगों को राष्ट्रहित और एकजुटता का संदेश भी दिया।

आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर बीडीओ लार को डीएम की कड़ी चेतावनी

देवरिया। आईजीआरएस प्रकरण के गुणवत्ताहीन और तथ्यों के विपरीत निस्तारण पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने खंड विकास अधिकारी, लार को कड़ी चेतावनी दी है। डीएम ने निर्देश दिया कि शिकायत का मौके पर सत्यापन कर वास्तविक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और तीन दिन के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। लापरवाही दोहराए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। बरडीहा परशुराम निवासी शिकायतकर्ता ने चकरोड काटकर संकरा किए जाने और उसे दोबारा बनवाने को लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। बीडीओ ने मामले को सीमांकन कराने के अनुरोध के साथ उप जिलाधिकारी को भेज दिया। डीएम ने इस निस्तारण को तथ्यों के अनुरूप नहीं माना। उन्होंने कहा कि लेखपाल के माध्यम से मौके पर पैमाइश कराकर चकरोड की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जा सकती थी। इसके बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी संभव थी। मामले में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए बीडीओ को नोटिस जारी किया गया है। डीएम ने स्पष्ट किया कि आईजीआरएस शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण स्वीकार नहीं होगा।

बढ़हलगंज के मंगलपुर में प्रेम प्रसंग को लेकर युवक पर चाकू से हमला, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला/गोरखपुर जिले के बड़हलगंज थाना क्षेत्र के झुमिला बाजार के समीप मंगलपुर गांव में बुधवार को प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद के बाद एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में मंगलपुर निवासी शिवम पुत्र गंगाधर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एक संदिग्ध हमलावर को पकड़ लिया और इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार, शिवम किसी बात को लेकर कुछ युवकों के संपर्क में था। इसी दौरान प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर एक युवक ने कथित तौर पर शिवम पर चाकू से वार कर दिया। हमले में शिवम घायल होकर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने शोर सुनकर

मौके पर पहुंचकर घायल युवक को संभाला और हमलावर को पकड़ लिया।

घटना की सूचना मिलते ही बड़हलगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल शिवम को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी तथा उसके परिवार के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में किसी प्रकार का तनाव न बढ़े, इसके लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की है। मौके पर मौजूद पुलिस टीम स्थिति पर नजर रख रही है।

बड़हलगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। इसी विवाद को लेकर चाकूबाजी की घटना हुई है। उन्होंने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव में पर्याप्त पुलिस बल मौजूद है और फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है। पुलिस का कहना है कि घायल युवक के उपचार और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही घटना के वास्तविक कारण, हमले में शामिल लोगों और विवाद की पूरी पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। गांव में पुलिस की मौजूदगी के कारण फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। विवाहिता से दोस्ती कर उसका अश्लील वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर रुपये वसूलने के आरोपी युवक को मोहनलालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लैपटॉप और मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी को मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, मोहनलालगंज थाना क्षेत्र निवासी विवाहिता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि बाराबंकी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के मीरपुर निवासी जव्वाद उर्फ जावेद ने उससे जान-पहचान बढ़ाई। इसके बाद आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो बना लिया। आरोप है कि वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर वह विवाहिता से रुपये वसूलता था। पीड़िता के मुताबिक, रुपये देने से इनकार करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 67ए के तहत मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से मंगलवार को जव्वाद उर्फ जावेद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपनी गलती स्वीकार की है। इसके बाद पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया।

सेतु निर्माण में गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं, समय पर पूरी हों परियोजनाएं : डीएम

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुधवार को सेतु निगम की दो निर्माणाधीन परियोजनाओं का औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को दोनों परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। डीएम ने महुआपाटन-करौंदी मार्ग पर छोटी गंडक नदी पर बन रहे सेतु का निरीक्षण किया। 17.47 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना दिसंबर 2024 में शुरू हुई थी और दिसंबर 2026 तक पूरी होनी है। मौके पर कार्य प्रगति पर और संतोषजनक मिला। जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबंधक को तय समय में निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने 15.03 करोड़ रुपये की लागत से महुआपाटन घाट पर निर्माणाधीन सेतु का निरीक्षण किया। यहां नदी में पिलर निर्माण का काम चल रहा था। अप्रैल 2026 में शुरू हुई इस परियोजना को सितंबर 2027 तक पूरा किया जाना है। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्यों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का हर हाल में पालन हो। किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता मिलने पर संबंधित कार्यदायी संस्था के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी के साथ कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिले के अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित मानव दिवस सृजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी/गोरखपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मानव दिवस सृजन, ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने, कार्यों की प्रभावी निगरानी और श्रमिकों को समयबद्ध मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मनरेगा के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत से लेकर विकास खंड और जिला स्तर तक कार्यरत पूरी टीम के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। समय से भुगतान, पारदर्शिता और कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखना मनरेगा की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

इसी क्रम में विकास खंड खजनी के खंड विकास अधिकारी रमेश शुक्ला एवं उनकी टीम के कार्यों की भी सराहना की गई। मनरेगा के कार्यों के प्रभावी संचालन, मानव दिवस सृजन, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा योजनाओं की नियमित निगरानी में उल्लेखनीय योगदान के लिए बीडीओ रमेश शुक्ला को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर विकास खंड के कर्मचारियों में उत्साह का माहौल रहा। मनरेगा के कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जियो-टैगिंग, मोबाइल आधारित निगरानी तथा विभिन्न स्तरों पर सत्यापन की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। ग्राम पंचायत स्तर पर कराए जा रहे विकास कार्यों की निगरानी और सत्यापन में रोजगार सेवकों, तकनीकी सहायकों, एपीओ तथा कार्यक्रम अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

समारोह में जिले के विभिन्न विकास खंडों से जुड़े अधिकारियों, तकनीकी सहायकों, एपीओ, कार्यक्रम अधिकारियों और रोजगार सेवकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि मनरेगा केवल ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का भी कार्य किया जा रहा है। जिला विकास अधिकारी ने सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि मनरेगा के बेहतर क्रियान्वयन के लिए टीम भावना, पारदर्शिता और आपसी समन्वय जरूरी है। उन्होंने आगे भी मानव दिवस सृजन, समयबद्ध भुगतान और गुणवत्तापूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। समारोह में जिले के विभिन्न विकास खंडों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार, ओपन जिम का काम शुरू

.....जागरण वाले पार्क के चारों ओर सीसी रोड व नाली निर्माण प्रगति पर, करीब 83.66 लाख रुपये की लागत से होंगे विकास कार्य ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वृंदावन कॉलोनी के सेक्टर-10ष्ट में वृंदावन आवासीय जन कल्याण महासमिति के प्रयासों से विकास कार्यों ने तेजी पकड़ ली है। कॉलोनी स्थित जागरण वाले पार्क के चारों तरफ सीसी रोड एवं नाली निर्माण का कार्य प्रगति पर है। वहीं बुधवार से जागरण वाले पार्क में ओपन जिम स्थापित करने का कार्य भी शुरू हो गया है। महासमिति के अध्यक्ष इंजीनियर लाल बहादुर पाण्डेय ने बताया कि कॉलोनी में कराए जा रहे इन विभिन्न विकास कार्यों पर करीब 83.66 लाख रुपये की लागत व्यय की जाएगी। विकास कार्यों के धरातल पर शुरू होने से कॉलोनीवासियों में खुशी का माहौल है। उन्होंने बताया कि जागरण वाले पार्क के चारों ओर सीसी रोड और नाली निर्माण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इसके साथ ही पार्क में ओपन जिम लगाने का कार्य भी प्रारंभ हो गया है। उन्होंने बताया कि ओपन जिम की सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य माननीय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के सराहनीय प्रयास एवं सौजन्य से संभव हो पाया है। इससे कॉलोनी के लोगों, विशेषकर युवाओं और बुजुर्गों को व्यायाम एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। वृन्दावन आवासीय जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष लाल बहादुर पाण्डेय ने बताया कि कॉलोनी के विकास से जुड़े इन कार्यों में समिति के सभी सम्मानित सदस्यों का लगातार सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में एक-दो सदस्यों द्वारा कार्य

में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया था, लेकिन आपसी संवाद, समन्वय और समझ-बूझ के माध्यम से समस्या का समाधान कर लिया गया। इस समन्वय को स्थापित करने में अंशु त्रिवेदी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने बताया कि संबंधित दोनों सदस्यों ने भी बड़े दिल का परिचय देते हुए अब विकास कार्यों में सहयोग करने का संकल्प लिया है। अध्यक्ष इंजीनियर लाल बहादुर पाण्डेय ने विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग के लिए इंजीनियर हिमांशु, इंजीनियर रामप्रसाद, दीपक शुक्ला, समिति के उपाध्यक्ष राम प्रकाश उपाध्याय, सचिव महेंद्र कुमार मिश्रा, वरिष्ठ सदस्य रामशंकर दूबे, समीर राउत, सोनू तिवारी, अमर वर्मा, स्वामीनाथ, शिव बहादुर पाण्डेय सहित सभी सहयोगियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने मातृ शक्ति के रूप में श्रीमती कोमल राउत, श्रीमती शशि द्विवेदी, पार्वती शुक्ला, अर्चना पाल, वंदना मिश्रा, श्रीमती सुनीता सिंह चौहान, शिल्पी मौर्य, मालती शुक्ला सहित अन्य महिलाओं के सहयोग के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी कॉलोनी का समग्र विकास वहां रहने वाले लोगों के आपसी सहयोग, एकता और सकारात्मक सोच से ही संभव है। करीब 83.66 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित एवं चल रहे विकास कार्यों से सेक्टर-10ष्ट में बुनियादी सुविधाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी कॉलोनी के सभी सदस्य महासमिति को अपना मार्गदर्शन एवं उचित सहयोग प्रदान करते रहेंगे, जिससे विकास कार्य और तेज गति से आगे बढ़ सकें। उन्होंने सभी सदस्यों से आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से कॉलोनी को और बेहतर एवं सुविधासंपन्न बनाया जा सकता है।

आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारी, 80% शिकायतों में संतुष्ट फीडबैक अनिवार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया, 12 अगस्त। आईजीआरएस की रैंकिंग में सुधार और शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रशिक्षण बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, औपचारिकता या नियमविरुद्ध कार्रवाई किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रैंकिंग प्रभावित हुई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों और ऑपरेटरों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस का लॉगिन और पासवर्ड अधिकारी स्वयं अपने पास रखें। अधिकारी प्रतिदिन पोर्टल पर लॉगिन कर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करें और प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयसीमा में वास्तविक एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायत का निस्तारण करने से पहले शिकायतकर्ता से संपर्क कर उसकी समस्या और पक्ष को समझना जरूरी है।

समाधान के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी प्राप्त की जाए। निस्तारण आख्या में शिकायत की श्रेणी, वास्तविक स्थिति, जांच में सामने आए तथ्य और की गई कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

80 प्रतिशत मामलों में संतुष्ट फीडबैक का लक्ष्य

डीएम ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि कम से कम 80 प्रतिशत प्रकरणों में शिकायतकर्ताओं से संतुष्ट फीडबैक प्राप्त होना चाहिए। संतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों को आईजीआरएस पोर्टल पर अपलोड करना भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मानकों के अनुरूप निस्तारण नहीं होने पर संबंधित विभाग की रैंकिंग प्रभावित होगी और इसकी जवाबदेही संबंधित अधिकारी की होगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि केवल पोर्टल पर शिकायत को निस्तारित दिखा देना पर्याप्त नहीं है। निस्तारण ऐसा हो, जो तथ्यों पर आधारित, पारदर्शी और शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या के समाधान पर केंद्रित हो। तथ्यहीन अथवा महज औपचारिक निस्तारण पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) प्रेम नारायण सिंह ने भी अधिकारियों को आईजीआरएस, शासन संदर्भ, मुख्यमंत्री कार्यालय समेत विभिन्न स्तरों से प्राप्त शिकायतों का पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यालयाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और संबंधित ऑपरेटर मौजूद रहे।

बीजेपी विधि प्रकोष्ठ लखनऊ महानगर के संयोजक के के मिश्रा के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर के विधि प्रकोष्ठ द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा स्वास्थ्य भवन चौराहे से दोपहर 3 बजे प्रारंभ हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा को भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर के नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी एवं महामंत्री सत्येंद्र सिंह ने रवाना किया। यात्रा प्रारंभ होने से पहले अधिवक्ताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए अधिवक्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन विधि प्रकोष्ठ

लखनऊ महानगर के संयोजक के.के. मिश्रा एडवोकेट के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विधि प्रकोष्ठ के सह-संयोजक गजेंद्र प्रताप सिंह एवं सुरेश पांडेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके साथ अभय प्रताप सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, मुकेश द्विवेदी, अनिल मिश्रा, अरविंद कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता बंधुओं ने तिरंगा यात्रा में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। यात्रा के दौरान अधिवक्ताओं के हाथों में लहराता तिरंगा आकर्षण का केंद्र रहा। देशभक्ति के नारों के साथ निकली तिरंगा यात्रा ने लोगों में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। मार्ग में लोगों ने भी यात्रा का स्वागत किया और तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्र का प्रतीक नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग में राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया। आयोजकों ने कहा कि अधिवक्ता समाज हमेशा राष्ट्रहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। तिरंगा यात्रा में अधिवक्ताओं की बड़ी संख्या में भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति समर्पण की भावना समाज के प्रत्येक वर्ग में मजबूती से मौजूद है। तिरंगा यात्रा में अधिवक्ताओं और कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पूरे आयोजन को भव्य रूप प्रदान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने सभी अधिवक्ता बंधुओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कल्लापुर से निकली पांचवीं कांवड़ यात्रा, बम-बम भोले के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

सैकड़ों शिवभक्त छोटी काशी गोला के लिए रवाना, जगह-जगह हुआ जलपान और स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरगांव-सीतापुर। श्रावण माह के अवसर पर हरगांव क्षेत्र के ग्राम कल्लापुर से बुधवार को पांचवीं विशाल कांवड़ यात्रा धूमधाम के साथ छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के लिए रवाना हुई। यात्रा में सैकड़ों शिवभक्त शामिल हुए। कांवड़ियों का जत्था सोमवार को छोटी काशी पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेगा। यात्रा शुरू होते ही पूरा क्षेत्र भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा। कांवड़िये हाथों में कांवड़ लेकर 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। डीजे पर बज रहे शिव भजनों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भजनों की धुन पर नाचते-गाते हुए यात्रा में शामिल रहे। यात्रा में सजाई गई भव्य झांकी आकर्षण का केंद्र रही। झांकी को देखने के लिए रास्ते में ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए जगह-जगह जलपान की व्यवस्था भी की गई। प्रधान प्रतिनिधि राम प्रकाश यादव ने गदनापुर चौराहे पर शिवभक्तों के लिए जलपान कराया। वहीं एजाज खान ने परसेरमाल चौराहे पर कांवड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था की। ग्रामीणों ने भी श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनका स्वागत किया। कांवड़ यात्रा को लेकर गांव से ही पुलिस सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद रही। पुलिसकर्मियों ने यात्रा के दौरान यातायात और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रखी। यात्रा में कृष्णा राम शर्मा, यज्ञेश शर्मा, कृष्ण विजय शर्मा, शिव प्रसाद सिंह, सोनू, शैलेंद्र शर्मा, प्रेम नारायण शर्मा, शोभित शर्मा, मुकेश शर्मा, घनश्याम शर्मा सहित सैकड़ों शिवभक्त शामिल रहे।

अस्पताल में गुंडगर्दी! सीएचसी के लेबर रूम में जबरन घुसे नशेड़ी

मना करने पर महिला स्टाफ नर्स और स्वीपर को घसीट-घसीटकर पीटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महमूदाबाद का महिला अस्पताल सोमवार शाम जंग का मैदान बन गया। जहाँ एक तरफ प्रसूति कक्ष में महिला स्वास्थ्यकर्मी मरीजों के इलाज में जुटी थीं, वहीं दूसरी तरफ नशे में धुत मनबढ़ युवकों ने सुरक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए भारी उत्पात मचाया। मना करने पर आरोपियों ने महिला स्टाफ नर्स और स्वीपर को जबरन गलियारे में घसीटकर बेदर्दी से पीट दिया। घटना से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मरीजों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, लेबर रूम में जहाँ पुरुषों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित है, वहाँ धर्मपुर-मझगंवा निवासी राजकुमार और रामू नशे की हालत में जबरन अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे। जब ऑन-ड्यूटी स्वीपर खुशबू ने उन्हें रोकते हुए बाहर

जाने को कहा, तो दबंग आग बबूला हो गए। आरोपियों ने खुशबू को घसीटकर लेबर रूम से बाहर निकाला और गलियारे में पटककर मारना-पीटना शुरू कर दिया।

बचाने आई नर्स पर भी टूट पड़े दबंग

चीख-पुकार सुनकर जब लेबर रूम में तैनात महिला स्टाफ नर्स प्रीति सिंह सहकर्मी को बचाने दौड़ीं, तो बेखौफ दबंगों ने उन पर भी हमला कर दिया। दोनों महिला कर्मियों के साथ जमकर बदसलूकी और मारपीट की गई। चीख-पुकार सुनकर जब तक अन्य लोग और मरीज के तीमारदार एकत्र हुए, तब तक आरोपी अस्पताल परिसर में हंगामा करते रहे। पीड़ित स्टाफ नर्स प्रीति सिंह ने दर्द बयां करते हुए कहा, 'हम अंदर डिलीवरी करा रहे थे। मना करने पर भी वे अंदर घुस रहे थे और जब रोका तो मारपीट करने लगे। अगर अस्पताल में ही हम सुरक्षित नहीं रहेंगे और नशेड़ी आकर इस तरह बदसलूकी करेंगे, तो महिला कर्मचारी काम कैसे करेंगी?' घटना के तुरंत बाद पीड़ित महिला कर्मचारियों ने कोतवाली महमूदाबाद पुलिस को लिखित शिकायत पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उधर, घटना के बाद से ही सीएचसी कर्मियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों का कहना है कि अगर सुरक्षा के कड़े इंतजाम नहीं किए गए और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे उग्र कदम उठाने को मजबूर होंगे।

दम्पति पर लाठियां बरसाने का वीडियो वायरल, सड़क पर उतरे मायके वाले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। थाना सदरपुर क्षेत्र के सेमरी गांव में पारिवारिक विवाद के बाद दम्पति के साथ हुई लाठी-डंडों से मारपीट का मामला अब तूल पकड़ चुका है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया, जिसके बाद मायके पक्ष के लोगों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर मुख्य सड़क पर चक्का जाम कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेमरी गांव निवासी राकेश गुप्ता और उनकी पत्नी निशा का परिजनों के साथ पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पारिवारिक कलह के कारण दम्पति को घर से बाहर निकाल दिया गया था और वे कई दिनों से अपने मासूम बच्चे के साथ बेघर होकर रह रहे थे। मंगलवार को जब राकेश अपनी पत्नी और बच्चे को लेकर वापस घर पहुंचे, तो पारिवारिक कहासुनी ने

अचानक उग्र रूप ले लिया। आरोप है कि बहस बढ़ने पर राकेश के पिता, मां, भाई और भाभी ने मिलकर दम्पति पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में दम्पति सड़क पर गिर पड़े और बेसुध हो गए। इस पूरी खौफनाक वारदात को मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने अपने कैमरे में कैद कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद बुधवार दोपहर निशा के मायके पक्ष के दर्जनों लोग सेमरी गांव पहुंच गए। गुस्साए परिजनों ने मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। सड़क जाम होने के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को समझाया। निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई के आश्वासन के बाद ही परिजनों ने जाम खोला। सदरपुर थाना पुलिस के अनुसार, पीड़ित पक्ष से मिली तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों को कब्जे में लेकर आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। वहीं मामला गरमाने के बाद स्थानीय राजनीति भी सक्रिय हो गई है। ग्राम पंचायत महासभा संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ अभय सिंह ने घटना की पूरी जानकारी को सीओ महमूदाबाद और उपजिलाधिकारी को अवगत कराते हुए पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की है साथ ही महमूदाबाद की भाजपा विधायक ने घटना का कड़ा संज्ञान लेते हुए इसे बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग की है और दोषियों के खिलाफ बिना किसी दबाव के सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई में जुटी है।

विधायक निर्मल वर्मा के नेतृत्व में नरसिंह धाम मंदिर से निकाली गई तिरंगा नाम यात्रा

बिसवां, सीतापुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिसवां विधायक निर्मल वर्मा के नेतृत्व मे नरसिंह धाम मंदिर

से तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा नगर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए पुनः नरसिंह धाम मंदिर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ लोगों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। पूरे मार्ग में देशभक्ति का माहौल बना रहा।

विश्व हाथी दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, अधिकारियों ने दिया बच्चों को पुरस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। विश्व हाथी दिवस के अवसर पर महमूदाबाद ग्रामीण क्षेत्र स्थित श्री गुरुदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भेथरा माधव में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए हाथियों के संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित आकर्षक चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कक्षा 9 के छात्र आदित्य कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 की छात्रा शिवानी द्वितीय तथा कक्षा 9 की छात्रा मोनी शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को हाथियों समेत अन्य वन्यजीवों के संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वन्यजीव और पर्यावरण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और इनके संरक्षण के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर वन विभाग क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी नावेद सिद्दीकी, क्षेत्रीय वन अधिकारी संतोष कुमार वर्मा, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी अरविंद कुमार यादव, वन दरोगा नरेंद्र पाल, नीरज कुमार, पंकज सिंह सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार एवं समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनने, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा हाथियों के संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

महमूदाबाद: सीता इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए विशेष कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। जिला सेवा योजना कार्यालय सीतापुर के तत्वावधान में बुधवार को सीता इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए विशेष कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला सेवा योजना अधिकारी, कैरियर काउंसलर उपस्थित रहे। अतिथियों ने छात्राओं से सीधे संवाद कर उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर उपयोगी जानकारी साझा की। सीता इंटर कालेज के शास्त्री सभागार में बुधवार को मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जिला सेवा योजना अधिकारी गिरिजेश कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि सफल और सुनियोजित जीवन के लिए समय प्रबंधन, सकारात्मक संवाद, आपसी सहयोग और अच्छे संस्कार बहुत आवश्यक हैं। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कैरियर काउंसलर झंकार नाथ और राकेश मिश्र ने विद्यार्थियों को विभिन्न सेवा क्षेत्रों में कैरियर बनाने के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि सरकारी नौकरी, बैंकिंग, शिक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं और स्वरोजगार के लिए किस प्रकार की तैयारी आवश्यक है। साथ ही किसी प्रतियोगी परीक्षा की सफल तैयारी के लिए कार्य योजना बनाकर पढ़ाई करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पाठ्यक्रम, समय सारणी और संसाधनों के सही उपयोग की जानकारी भी दी गई। संस्था के चेयरमैन आरके वाजपेयी ने अतिथियों का स्वागत करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने भविष्य में भी छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन के लिए जिला सेवा योजना टीम को पुनः आने का अनुरोध किया। विद्यार्थियों ने अपने कैरियर से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अवैध डेयरियों के खिलाफ नगर निगम का अभियान, 31 पशु पकड़े

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा अवैध डेयरियों और निराश्रित पशुओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के नेतृत्व में जोन-8 क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से संचालित डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 31 पशुओं को पकड़कर राधा उपवन गौशाला में निरुद्ध कराया गया। पशु कल्याण अधिकारी के नेतृत्व में नगर निगम के प्रवर्तन दल एवं कैटिल कैचिंग दस्ते ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। इस दौरान रॉयल सिटी कॉलोनी, बिजनौर तथा शारदा नगर विस्तार योजना, शहीद पथ के निकट अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने कुल 31 पशुओं को पकड़ा। इनमें 17 गाय, 12 भैंस, 01 पड़वा और 01 भैंस का बच्चा शामिल है। सभी पशुओं को पकड़कर राधा उपवन गौशाला में निरुद्ध कराया गया। नगर निगम की टीम ने शहीद पथ के निकट शारदा नगर विस्तार योजना सहित अन्य स्थानों पर अवैध रूप से संचालित डेयरियों को हटाने की कार्रवाई की।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। जिलाधिकारी विशाख जी. ने बुधवार को आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से पूरी कराई जाएं। जिलाधिकारी ने विधान भवन के समक्ष आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों का जायजा लेते हुए मंच, दर्शक दीर्घा, सुरक्षा, साफ-सफाई, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि

समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, वीर जवानों एवं शहीदों के आश्रितों का सम्मान किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की। देश के विभिन्न राज्यों से आने वाली सांस्कृतिक टीमों और उत्तर प्रदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियों से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त को सुबह 8:15 बजे स्वतंत्रता दिवस समारोह का रिहर्सल आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं लखनऊ विकास प्राधिकरण को प्रमुख सड़कों, सरकारी भवनों और महत्वपूर्ण स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था, फसाड लाइटिंग एवं सजावट को पूरी तरह कार्यशील रखने के निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा शिविर, अग्निशमन, पेयजल और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को भी कहा। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निकाली जाने वाली प्रभात फेरियों में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। ऐतिहासिक इमारतों, चौराहों, पार्कों और महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं सजावट का कार्य समय से पूरा कराने को कहा। विद्यालयों में निबंध, वाद-विवाद, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और राष्ट्रप्रेम पर आधारित गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि शहीद स्मारक स्थित गांधी भवन में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शाम 5 से 6:30 बजे तक सर्वधर्म प्रार्थना सभा तथा शाम 7 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन कार्यक्रमों की व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुसार पूरी कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी, अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, नगर मजिस्ट्रेट सहित नगर निगम, एलडीए, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जलकल विभाग, नगर निगम जोन-4, गोमती नगर, लखनऊ

प० सं०:-83/निविदा /ई.ई-4/2026-27 दिनांक:-12/08/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु जल कल विभाग नगर निगम में पंजीकृत ठेकेदारों से पृथक- पृथक निविदाएं दिनांक 20/08/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपराह्न 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष इस कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क कैश (नान रिफंडेबल) कैश काउंटर जोन -4 में जमा करके दिनाँक 20/8/26अपराह्न 2:00 तक प्राप्त किये जा सकेंगे। निविदा के साथ वांछित धरोहर राशि जमा करना अनिवार्य है। निविदा खुलने की तिथि को अपरिहार्य कारण से अवकाश होने पर निविदा अगले कार्य दिवस में नियत समय पर प्राप्त व खोली जायेगी। इच्छुक निविदादाता द्वारा निविदा प्रपत्र का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस में किया जा सकता है। निविदा के साथ धरोहर राशि एफ०डी०आर०/सी०डी०आर० / बैंक गारंटी जो अधिशासी अभियंता जलकल विभाग नगर निगम लखनऊ के नाम बंधक को जमा करना अनिवार्य है। बिना धरोहर राशि की निविदा मान्य नहीं होगी। शेष नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है।

क्रं0 सं0	कार्य विवरण	निविदा मूल्य	धरोहर राशि
1	जोन -4 के अंतर्गत काल्विन कालेज निशातगंज में 3 स्थानों पर 1- काल्विन कॉलेज आई0टी0 चौराहे पर 600 एम0एम0 डाया 2 -भवन सं0-512/251 पुराना बादशाहनगर नदीम के घर के पास कल्विन कालेज 160 एम0एस डाया 3-कल्विन कालेज डालीगंज सेतु से आई0टी0 चौराहा होते हुए निशातगंज चौराहे मार्ग पर 140 एम0एम0 डाया की लीकेज मरम्मत कार्य हेतु।	Rs.300+18% GST -354.00	Rs 5000.00
2	जोन-4 के अन्तर्गत काल्विन निशातगंज वार्ड में 2 स्थानों पर (1) नाला न0-7 के पास (2) शनी देव मंदिर में लगे समरसेबुल पम्प को रीबोर कराने हेतु।	Rs. 350+18% G.S.T- 413.00-	Rs 7000.00

अधिशासी अभियन्ता, जोन-4 जलकल विभाग, नगर निगम लखनऊ।

संपादकीय

पैलेट के जख्म

इसमें दो राय नहीं कि किसी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों के किन्हीं परिस्थितियों में उग्र होने और जन-धन की हानि रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को कार्रवाई करनी होती है। इसमें भी दो राय नहीं है कि राज्य के पास हिंसा को रोकने और कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पर्याप्त शक्तियां हैं। लेकिन प्रश्न इस बात का भी है कि लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध को रोकने के लिए प्रयोग की गई ताकत का स्तर क्या रहा। जाहिर है राष्ट्रविरोधी ताकतों, हिंसक भीड़ तथा छात्रों के आंदोलन को एक ही तौर-तरीके से नहीं निपटा जा सकता है। इसी आलोक में सवाल पैदा होता है कि जंतर-मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या जरूरी थी ? क्या उचित तरीके से अधिकृत थी ? ऐसा ही विवाद इस आंदोलन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर खड़ा हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शुरुआत से ही पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया। जबकि बाद में जनरल डायरी में यह दर्ज किया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एंटी-रायट गन से दो राउंड फायरिंग की थी। वहीं दूसरी ओर छात्र प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्षी दल सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं। खासकर, कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने गृह मंत्री पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर तीखे प्रहार किए हैं। वे बाकायदा गृह मंत्री के इस्तीफे को लेकर लगातार अभियान चलाते रहे हैं। इसी बीच सूचना के अधिकार के तहत दिल्ली के दो अस्पतालों से एकत्र की गई जानकारी के अनुसार बीस जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम दस लोगों को पैलेट गन से चोट लगी थी। इन अस्पतालों में पैलेट गन से आहत छात्रों ने उपचार कराया था। निस्संदेह, पैलेट गन से घायल होने वालों का यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि यह एक आधिकारिक रिकॉर्ड पर आधारित है, न कि किसी बिना पुष्टि वाले दावों पर आधारित है। दरअसल, पैलेट गन की जद में आये छात्रों के अनुभव परेशान करने वाले रहे हैं। खबरों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों के चेहरों, छाती और आंखों पर चोट आई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एक छात्र की आंख की रोशनी भी जा सकती है। सार्वजनिक विमर्श में सवाल उठाये जाते रहे हैं कि छात्र आंदोलनकारियों के विरुद्ध पैलेट गन का इस्तेमाल करने का तार्किक आधार क्या है। वहीं दूसरी ओर कानून-व्यवस्था बनाये रखने के दौरान मेटल पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में कहा था कि मौजूदा नियमों के तहत विशेष परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे हथियार रखने की कानूनी वैधता और किसी खास घटना में इनके गलत इस्तेमाल के आरोपों के बीच फर्क किया है। निस्संदेह, इस फर्क की सूक्ष्मता से जांच होनी चाहिए। इसके इस्तेमाल के बाद किसी तरह का विवाद न हो, इसलिए स्थिति को साफ करने के लिए पारदर्शिता अपनाना भी बेहद जरूरी है। इससे जुड़े कई तथ्यों को लेकर सावधानी बरती जानी चाहिए, जिसमें गोला-बारूद का पर्याप्त रिकॉर्ड रखना, सीसीटीवी फुटेज, बॉडी कैमरा रिकॉर्डिंग, वायरलेस की बातचीत का रिकॉर्ड और साथ ही मेडिकल रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। साथ ही इन तथ्यों की स्वतंत्र जांच की जानी भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर सरकार का भी दायित्व बनता है कि भीड़ को काबू करने में पैलेट गन के इस्तेमाल से जुड़े तमाम नियम स्पष्ट रूप से बताए जाएं। वहीं दूसरी ओर यदि इनका अंधाधुंध प्रयोग किया गया हो तो इसके लिये जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना भी बेहद जरूरी है। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत में विरोध करने का अधिकार एक घोषित संवैधानिक स्वतंत्रता है। इसकी रक्षा के लिए संयम की जरूरत अपरिहार्य शर्त है। यह दोनों तरफ से जरूरी है- प्रदर्शनकारियों और सरकार की तरफ से। लेकिन विडंबना है कि अक्सर देश में पुलिस व सुरक्षाबल छात्रों के धरनों व प्रदर्शनों के दौरान बात-बात पर निर्ममता से लाठी भांजते नजर आते हैं।

इधर एक रक्षा समझौता कर उछल रहा पाकिस्तान

भले ही तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान 7 अगस्त 2026 के मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के बाद इसे अपनी बड़ी रणनीतिक कामयाबी के तौर पर पेश कर रहे हों, लेकिन भारत ने इस बदलते शक्ति-संतुलन का जवाब किसी एक मोर्चे पर नहीं, बल्कि कई दिशाओं में पहले ही तैयार कर लिया था। सिर्फ एक साल के ही घटनाक्रमों को देखें तो फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'Special Strategic Partnership for Peace, Innovation and Prosperity के स्तर तक पहुंचाया और रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर तथा अत्याधुनिक तकनीकों में सहयोग को नई धार दी। उसी फरवरी में फ्रांस के साथ रिश्तों को 'Special Global Strategic Partnership, तक पहुँचाया गया, जिसके तहत रक्षा उत्पादन, HAMMER मिसाइलों के भारत में संयुक्त निर्माण और उन्नत सैन्य तकनीक पर सहयोग बढ़ा है। इससे पहले अगस्त 2025 में फिलीपींस के साथ भारत ने Strategic Partnership स्थापित की थी, जिसके केंद्र में रक्षा, समुद्री सुरक्षा और हिंद-प्रशांत सहयोग है। साथ ही अप्रैल 2026 में दक्षिण कोरिया के साथ Special Strategic Partnership को अगले पांच वर्षों के लिए नई रणनीतिक दिशा दी गई, जबकि मई 2026 में वियतनाम के साथ Enhanced Comprehensive Strategic Partnership के तहत रक्षा खरीद, समुद्री सुरक्षा, साइबर सहयोग और हिंद-प्रशांत में समन्वय को और मजबूत किया गया। मई 2026 में ही नीदरलैंड के साथ भी संबंधों को Strategic Partnership तक ले जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी। यानी पाकिस्तान-तुर्किये-सऊदी अरब ने जहां एक त्रिकोण बनाया है, वहीं भारत ने इजराइल, फ्रांस, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, वियतनाम,

नीदरलैंड और खाड़ी के महत्वपूर्ण साझेदारों के साथ अलग-अलग लेकिन आपस में जुड़े रणनीतिक रिश्तों का ऐसा व्यापक नेटवर्क खड़ा किया है, जिसमें रक्षा तकनीक, मिसाइलें, समुद्री सुरक्षा, खुफिया सहयोग और रक्षा उत्पादन सभी शामिल हैं। इतिहासहम आपको याद दिला दें कि ईरान युद्ध से ठीक पहले हुई प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा का सबसे बड़ा पहलू आधुनिक रक्षा तकनीक था। करीब 10 अरब डॉलर मूल्य के संभावित रक्षा सौदों में आयरन बीम जैसी लेजर आधारित वायु रक्षा प्रणाली, आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो प्रणालियों की तकनीक, सटीक निर्देशित बम, लोइटरिंग म्यूनिशन, नौसैनिक रक्षा प्रणालियां और अत्याधुनिक ड्रोन शामिल हैं। इससे साफ है कि भारत केवल हथियार खरीदने की दिशा में नहीं, बल्कि अपनी दीर्घकालिक सैन्य वास्तुकला को इजराइली तकनीक के साथ जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।कहानी यहीं खत्म नहीं होती। भारत-इजराइल सहयोग में 'होराइजन स्कैनिंग' जैसी ढ्ढ आधारित व्यवस्था पर भी काम हो रहा है, जिसके जरिए भविष्य के सुरक्षा जोखिमों, सीमाई चुनौतियों और तकनीकी बदलावों का पहले से आकलन किया जा सकेगा। ढ्ढ, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा में संयुक्त शोध का अर्थ है कि भारत अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा क्षमता केवल आज के युद्ध के लिए नहीं, बल्कि कल के युद्ध की प्रकृति को ध्यान में रखकर तैयार कर रहा है। साथ ही रक्षा उत्पादन में संयुक्त शोध, तकनीकी हस्तांतरण और घरेलू सह-उत्पादन 'आत्मनिर्भर भारत' को सैन्य शक्ति से जोड़ते हैं। इसी संदर्भ में इजराइल की प्रस्तावित He&agon of Alliances अवधारणा भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जिसमें भारत, इजराइल, ग्रीस, साइप्रस और अन्य साझेदारों के बीच सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की परिकल्पना की गई है। इसका रणनीतिक संदेश यह है कि भारत पश्चिम एशिया और भूमध्यसागर में बन रहे नए शक्ति-संतुलन को केवल देख नहीं रहा, बल्कि अपने लिए वैकल्पिक रणनीतिक नेटवर्क भी तैयार कर रहा है। अब आते हैं मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने सामूहिक प्रतिरोध का संकल्प लेते हुए कहा है कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, तीनों देशों के पास संयुक्त रूप से करीब 14 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी, 3,415 विमान, 6,046 टैंक, 344 नौसैनिक परिसंपत्तियां और लगभग 124.4 अरब डॉलर का वार्षिक रक्षा बजट है। सऊदी अरब पूंजी और रणनीतिक भूगोल देता है, तुर्की रक्षा उद्योग, ड्रोन, मिसाइल और नौसैनिक तकनीक देता है, जबकि पाकिस्तान मानवबल, सैन्य अनुभव और परमाणु क्षमता लेकर आता है। लेकिन इस गठजोड़ को 'इस्लामिक नाटो' कह देना इसकी वास्तविक क्षमता का अंतिम प्रमाण नहीं है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमला होने की स्थिति में बाकी सदस्य वास्तव में कितनी और किस प्रकार की सैन्य सहायता देने के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल अभी कोई स्थायी केंद्रीय संयुक्त सैन्य कमान स्थापित नहीं हुई है। यानी राजनीतिक घोषणा और वास्तविक संयुक्त युद्ध क्षमता के बीच अभी लंबी दूरी है। साथ ही पाकिस्तान, तुर्किये और सऊदी अरब के बीच बने नए रक्षा समीकरण को समझने के लिए केवल तीन देशों की सैन्य ताकत देखना काफी नहीं है। असली तस्वीर यह है कि पिछले एक साल में भारत ने भी अपनी रणनीतिक साझेदारियों और रक्षा सहयोग का दायरा तेजी से बढ़ाया है। अगस्त 2025 में भारत और फिलीपींस ने अपने संबंधों को औपचारिक रूप से Strategic Partnership यानि रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया। फरवरी 2026 में भारत-इजराइल संबंधों को Special Strategic Partnership for Peace, Innovation and Prosperity तक पहुँचाया गया। फरवरी में ही भारत और फ्रांस ने अपने रिश्तों को Special Global Strategic Partnership के स्तर तक पहुंचाया। मई 2026 में भारत और वियतनाम ने संबंधों को Enhanced Comprehensive Strategic Partnership में बदल दिया। यूएई के साथ जनवरी 2026 में दोनों देशों ने Strategic Defence Partnership स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। इन साझेदारियों की खासियत यह है कि ये केवल कागज पर कूटनीतिक घोषणाएं नहीं हैं। इनके पीछे रक्षा, समुद्री सुरक्षा, खुफिया सहयोग, तकनीक, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और रक्षा उत्पादन जैसे ठोस क्षेत्र जुड़े हैं। यानी पाकिस्तान-तुर्किये-सऊदी गठजोड़ अगर एक तरफ शक्ति का त्रिकोण बना रहा है, तो भारत दूसरी तरफ अलग-अलग क्षेत्रों में कई मजबूत साझेदारों का नेटवर्क खड़ा कर रहा है। सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण फिलीपींस है। भारत पहले ही उसे करीब 375 मिलियन डॉलर की ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली बेच चुका है और फिलीपींस को इसकी अतिरिक्त प्रणालियों में भी रुचि है। इसके अलावा आकाश मिसाइल प्रणाली की संभावित बिक्री पर भी बातचीत हुई है। इसका सामरिक महत्व इसलिए बड़ा है क्योंकि फिलीपींस दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ गंभीर समुद्री तनाव का सामना कर रहा है। भारत की मिसाइलें वहां पहुंचकर न केवल भारतीय रक्षा उद्योग की ताकत दिखाती हैं, बल्कि हिंद-प्रशांत में भारत की सुरक्षा भूमिका को भी मजबूत करती हैं। दूसरी बड़ी सफलता वियतनाम की है। मई 2026 में दोनों देशों ने अपने संबंधों को Enhanced Compr ehensive Strategic Partnership तक पहुंचाया और उसी दौरान भारत की ब्रह्मोस मिसाइल के लिए वियतनाम के साथ सौदे की आधिकारिक पुष्टि हुई। यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि वियतनाम दक्षिण चीन सागर में चीन के दबाव का सामना कर रहा है। भारत के लिए इसका अर्थ है कि उसकी मिसाइल और रक्षा तकनीक हिंद-प्रशांत के एक और महत्वपूर्ण तटीय देश तक पहुंच रही है। इसके बाद इंडोनेशिया आता है। जुलाई 2026 में भारत और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस के साथ-साथ अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल और रक्षा तकनीक से जुड़े कई समझौते किए। रिपोर्टों के अनुसार इंडोनेशिया को दो ब्रह्मोस बैटरियों की आपूर्ति का सौदा करीब 200 मिलियन डॉलर का है।

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं।दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा।युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है। यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है-जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है। इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है। खगोलशास्त्र

खाना खाते ही टॉयलेट जाने की इच्छा? जानें वैज्ञानिक कारण और कब है खतरा

हमारे शरीर में खाना खाने के बाद कई तरह की प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं। खाना पेट में पहुंचता है, पेट उसे पचाने का काम शुरू करता है और आंतें भी अपना काम तेज कर देती हैं। यही वजह है कि कुछ लोगों को खाना खाने के कुछ ही समय बाद टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होने लगती है। खासकर सुबह नाश्ता करने के बाद ऐसा होना काफी आम है। कई लोग इसे देखकर सोचते हैं कि जो खाना अभी खाया है, वह तुरंत बाहर निकल रहा है। लेकिन ऐसा नहीं होता। हमारे शरीर को भोजन को पचाने और उसे मल में बदलने में कई घंटे लगते हैं। खाना खाने के बाद जल्दी टॉयलेट जाने की इच्छा होने के पीछे शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया काम करती है। इसे डॉक्टर गैस्ट्रोकोलिक रिफ्लेक्स कहते हैं। दरअसल, जब भोजन पेट में पहुंचता है, तो शरीर को संकेत मिलता है कि पाचन की प्रक्रिया आगे बढ़ानी है। इसके जवाब में, बड़ी आंत की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। बड़ी आंत में पहले से मौजूद मल आगे की तरफ खिसकने लगता है, और इसी वजह से व्यक्ति को शौच जाने की इच्छा महसूस होती है। इसलिए, भोजन के तुरंत बाद टॉयलेट जाना इस बात का संकेत नहीं है कि अभी खाया गया खाना शरीर से बाहर निकल रहा है। भोजन को पाचन तंत्र से गुजरने और मल बनने में काफी समय लगता है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, गैस्ट्रोकोलिक रिफ्लेक्स हर व्यक्ति में एक जैसी ताकत से काम नहीं करता। कुछ लोगों में यह प्रतिक्रिया हल्की होती है, जबकि कुछ लोगों में भोजन के बाद आंतों की गतिविधि काफी बढ़ सकती है। सुबह के समय यह प्रभाव ज्यादा महसूस होना भी आम बात है। इसका एक कारण यह है कि रातभर खाली रहने के बाद जब पेट में भोजन पहुंचता है, तो पाचन तंत्र की गतिविधि दोबारा तेज हो जाती है। इसी दौरान बड़ी आंत भी सक्रिय होती है और शौच की इच्छा पैदा हो सकती है। खाने की मात्रा और खाने का तरीका भी इस पर असर डाल सकता है। अगर कोई व्यक्ति एक बार में बहुत ज्यादा खाना खाता है, तो पेट ज्यादा भरता है और इसकी वजह से आंतों की हलचल बढ़ सकती है। बहुत तला-भुना, ज्यादा तेल वाला या भारी खाना खाने के बाद भी कुछ लोगों को जल्दी टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस हो सकती है। चाय या कॉफी जैसे पेय भी कुछ लोगों की आंतों को ज्यादा सक्रिय कर सकते हैं।

मेष -आज का दिन आपके लिए बेहद शानदार रहने वाला है। कारोबार में भरपूर आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं और कमाई के नए साधन भी सामने आ सकते हैं।

वृष-आज का दिन आपके लिए सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और समृद्धि का माहौल बना रहेगा। आपके साहस और धैर्य में बढ़ोतरी होगी, जिससे आसपास के लोग आपसे प्रभावित होंगे।

मिथुन-आज का दिन उत्साह और ऊर्जा से भरा रहेगा। आपकी दैनिक दिनचर्या सुचारू रूप से चलेगी। आध्यात्मिक कार्यों की तरफ झुकाव बढ़ेगा, जिससे मन को शांति मिलेगी।

कर्क-आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आपके सोचे हुए कार्य योजना के अनुसार पूरे होंगे। मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श होगा, जो आगे चलकर फायदेमंद साबित हो सकता है। भाई-बहनों के साथ बाजार जाने और समय बिताने का अवसर मिलेगा।

सिंह -आज का दिन खुशियों की नई सौगात लेकर आया है। आप खुद को ऊर्जावान और तरोताजा महसूस करेंगे। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोग अपने ज्ञान और अनुभव का सही दिशा में इस्तेमाल करेंगे। किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए जीवनसाथी का परामर्श उपयोगी साबित होगा।

कन्या -आज का दिन आपके लिए सुखद रहेगा। व्यर्थ की गतिविधियों में अपना कीमती समय नष्ट न करें। कार्यालय के रुके हुए कार्यों को पूरा करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। जितनी जल्दी संभव हो सके पेंडिंग काम को समाप्त करें।

तुला-आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से फलदायी है। कार्यस्थल पर किसी जटिल कार्य को पूरा करने में सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों की मदद मिलेगी।

वृश्चिक -आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आया है। व्यापार में अच्छा मुनाफा होने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति की खुशखबरी मिल सकती है।

धनु-आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। निर्णय लेने की क्षमता में तेजी आएगी और आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाएंगे। ससुराल पक्ष से किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का निमंत्रण मिल सकता है।

मकर -आज आपका दिन प्रसन्नता से भरा रहेगा। उच्च शिक्षा की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। बच्चों की तरफ से कोई शुभ समाचार मिल सकता है, जिससे पूरे परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कुंभ-आज का दिन आपके पक्ष में रहने वाला है। कानूनी मामलों के निर्णय आपके हक में आ सकते हैं। घरेलू आवश्यकताओं की वस्तुओं की खरीदारी हो सकती है। अचानक घर पर अतिथियों का आगमन संभव है।

मीन -आज का दिन आपके लिए बेहद शानदार रहेगा। रोजगार के नए और बेहतर अवसर मिलेंगे, जो आपकी उन्नति में मददगार साबित होंगे। किसी खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। नौकरी तलाश रहे लोगों के लिए अच्छे प्रस्ताव आने के योग हैं।

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि, स्टेम सेल से तैयार किया हृदय वाल्व टिशू

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टीम ने स्टेम सेल से इंसानी हृदय के वाल्व जैसा ऊतक (टिशू) तैयार किया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में खासकर बच्चों में हृदय वाल्व से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खोल सकती है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, मर्डोक चिल्ड्रन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमसीआरआई) के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में प्रयोगशाला में तैयार किए गए हृदय वाल्व के ऊतक, मानव शरीर में मौजूद वाल्व की तरह बढ़ते और व्यवहार करते नजर आए। यह शोध 'सेल स्टेम सेल' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तकनीक से अब यह समझना आसान होगा कि इंसानी हृदय के वाल्व जन्म से लेकर वयस्क होने तक कैसे विकसित होते हैं और बीमारी या संक्रमण की वजह से उनमें किस तरह का बदलाव आता है।

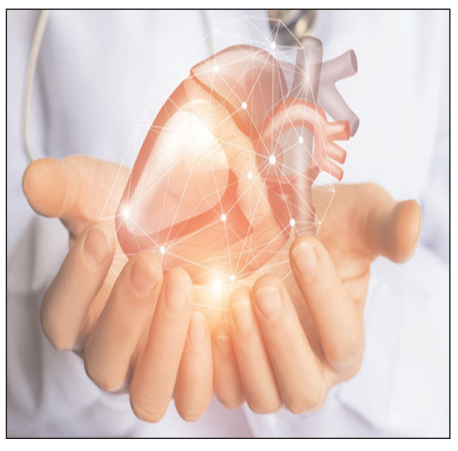

एमसीआरआई की हार्ट रीजेनरेशन ग्रुप की टीम लीडर हॉली वोगेस ने कहा कि यह सफलता क्षतिग्रस्त हृदय वाल्व की मरम्मत के लिए ऐसे उपचार विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिनमें शरीर की अपनी कोशिकाओं का इस्तेमाल किया जा सके। दुनिया भर में करीब 2.8 करोड़ लोग हृदय वाल्व की बीमारी से पीड़ित हैं। इसके पीछे जन्मजात समस्याएं, संक्रमण और उम्र के साथ वाल्व का कमजोर होना जैसे कई कारण हो सकते हैं। मौजूदा समय में क्षतिग्रस्त वाल्व को दोबारा स्वस्थ करने का कोई ऐसा उपचार नहीं है, जो बीमार को एकदम तंदुरुस्त कर दे। ऐसे में कई मरीजों को वाल्व बदलने की सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है। इस शोध की खास बात यह है कि वैज्ञानिकों ने तैयार किए गए ऊतक का इस्तेमाल रूमेटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) को समझने के लिए भी किया। जब शोधकर्ताओं ने आरएचडी से जुड़े सूजनकारी प्रोटीन इन ऊतकों के संपर्क में लाए, तो ऊतक कठोर हो गए और उनमें ऐसे जैविक संकेतक दिखाई दिए, जो रोगग्रस्त मानव हृदय वाल्व में पाए जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में आरएचडी का असर वहां की स्वदेशी आबादी पर अपेक्षाकृत अधिक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नया प्रयोगशाला मॉडल इस बीमारी को समझने और भविष्य में इसके बेहतर उपचार विकसित करने में मदद कर सकता है। एमसीआरआई के प्रोफेसर एंजो पोरेल्लो ने कहा कि भविष्य में इसी तकनीक से ऐसे हृदय वाल्व बनाए जा सकते हैं, जो मरीज के शरीर के साथ बढ़ें और बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को ढाल सकें। अगर यह तकनीक आगे के परीक्षणों में सफल रहती है, तो बच्चों के लिए इसका महत्व और भी बढ़ सकता है। वर्तमान वाल्व प्रत्यारोपण की एक बड़ी चुनौती यह है कि बच्चे के बढ़ने के साथ वाल्व को भी बदलने की जरूरत पड़ सकती है। वैज्ञानिकों की उम्मीद है कि स्टेम सेल से तैयार होने वाले वाल्व इस समस्या का समाधान देने में मदद कर सकते हैं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर "तिरंगा मेला, प्रदर्शनी व म्यूजिकल कन्सर्ट" का हुआ भव्य आयोजन

देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों पर नन्हे बच्चों की प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक, तालियों से गूंजा कल्याणसिंह ऑडीटोरियम

» जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने तिरंगा प्रदर्शनी व विभागीय स्टॉलों को देखकर की प्रशंसा

» सैकड़ों बच्चों व आमजनों ने भारत माता की जयकारों के साथ उत्साह से लहराया तिरंगा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के नेतृत्व में 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर "हर घर तिरंगा अभियान 2026" के अंतर्गत देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत "तिरंगा मेला, प्रदर्शनी व तिरंगा म्यूजिकल कन्सर्ट" का आयोजन कल्याण सिंह सभागार में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हरिओम निरंजन सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा तिरंगा प्रदर्शनी व विभागीय स्टॉल लगाये गए थे, जिनका जिलाधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर उद्घाटन किया और विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए उनकी प्रशंसा की।

कार्यक्रम में परिषदीय विद्यालयों व आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों ने देशभक्ति से सराबोर गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें "माँ सरस्वती शारदे, ऐसा देश है मेरा, सारे जग में कोई नहीं है दूसरा हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान के हम बच्चे, इट्स हेपन ऑनली इन इण्डिया" आदि गीतों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। इस दौरान लगभग 3 वर्षीय नन्ही बालिका मान्या की प्रस्तुति पर जिलाधिकारी ने बच्ची के प्रयास की प्रशंसा की। इन मनमोहक प्रस्तुतियों को देखकर कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों स्कूली बच्चों व आमजनों ने भारत माता की जयकार करते हुए तिरंगा लहराकर अपना उत्साह प्रकट किया।

जिलाधिकारी ने प्रस्तुति देने वाले बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि बच्चों ने आज जितनी अच्छी प्रस्तुति यहां दी है, उसी प्रकार अपनी पढ़ाई में भी अच्छा प्रदर्शन करें, जिससे अच्छे भविष्य का निर्माण हो सके। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा कि अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार की गतिविधियों में कराएं और बच्चों का सर्वांगीण विकास करें। उन्होंने सभी जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश के वीर सपूत, जवानों और देश की आजादी के लिए न्यौछावर बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दिनेश कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे सजय मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरज सिंह, उपायुक्त उद्योग अतहर जमाल, जिला बेसिक अधिकारी रनेश कुमार, जिला पर्यटक अधिकारी हेमलता, पर्यटन मित्र फिरोज इकबाल सहित भारी संख्या में जनसमूह आदि उपस्थित रहे। मंच का संचालन ब्रज मोहन संज्ञा किया गया तथा कार्यक्रम में पर्यटन मित्र फ़िरोज़ इक़बाल का विशेष सहयोग रहा।

स्वतंत्रता दिवस व त्योहारों को लेकर रेलवे स्टेशन पर चला सघन चेकिंग अभियान

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

स्वतंत्रता दिवस एवं आगामी त्योहारों के दृष्टिगत मंगलवार को तालबेहट रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। प्लेटफार्म, यात्री प्रतीक्षालय, बुकिंग हाल, सर्कुलेटिंग एरिया, वाहन पार्किंग सहित ट्रेनों में यात्रियों और सामान की जांच की गई। हालांकि चेकिंग के दौरान कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु नहीं मिली।

सहायक सुरक्षा आयुक्त झांसी केपन तिवारी के नेतृत्व में आरपीएफ आउटपोस्ट तालबेहट प्रभारी उपनिरीक्षक संजय सिंह चाहर एवं आईपीएफ ओमप्रकाश यादव क्राइम विंग झांसी के साथ सुरक्षा बल ने विभिन्न स्थानों पर जांच की। इस दौरान यात्रियों को जहरखुरानी से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए अपने सामान पर नजर रखने की अपील की गई। साथ ही किसी संदिग्ध व्यक्ति अथवा वस्तु के दिखाई देने पर तत्काल आरपीएफ को सूचना देने को कहा गया।चेकिंग अभियान के बाद सहायक सुरक्षा आयुक्त ने आउटपोस्ट तालबेहट पर तैनात बल सदस्यों का सुरक्षा सम्मेलन लिया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस और आगामी त्योहारों के दौरान ड्यूटी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जवानों से उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली गई। किसी भी कर्मचारी ने समस्या नहीं बताई।

संक्षिप्त खबरें

बिजली का तार टूटने से तीन मवेशियों की मौत

आरोपी जेसीबी चालक पर मुकदमा दर्ज

तालबेहट। ग्राम रजावन में बुधवार शाम बिजली का तार टूटकर गिरने से करंट की चपेट में आकर दो भैंस और एक गाय की मौत हो गई। हादसे में मवेशी लेकर जा रहा व्यक्ति भी बाल-बाल बच गया। पीड़ित ने जेसीबी चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम रजावन निवासी राजेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार शाम करीब पांच बजे वह अपनी दो दुधारू भैंसों को खेत से घर ला रहा था। इसी दौरान रजावन नहर के पास सामने से आ रही जेसीबी मशीन के चालक अनिल पाल ने कथित रूप से लापरवाही से बिजली का तार तोड़ दिया। तार टूटकर गिरने से दोनों भैंस करंट की चपेट में आ गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दोनों भैंसों की कीमत करीब 3.10 लाख रुपये बताई जा रही है। तहरीर के अनुसार, गांव के रूपसिंह यादव की करीब 50 हजार रुपये कीमत की दुधारू गाय भी करंट की चपेट में आकर मर गई। बताया गया कि जेसीबी ग्राम गुड्डू दुबे के कुएं का पुराव करने के बाद तालबेहट लौट रही थी। करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से राजेंद्र सिंह समेत अन्य लोग भी बाल-बाल बच गए। पीड़ित ने जेसीबी मालिक और चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटी से बात न होने से गुमशुम पिता ने फांसी लगाकर दी जान

परिजनों में कोहराम

तालबेहट। कस्बे के पुराने बस स्टैंड निवासी 30 वर्षीय ऋषिराज उर्फ राजु पुत्र दिलीप सिंह ने बुधवार सुबह घर के एक कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार, ऋषिराज पिछले कुछ समय से गुमसुम रहता था। उसकी पत्नी मायके में रहती थी और बीते कई महीनों से उसकी 5 वर्षीय बेटी से भी उसकी बातचीत नहीं हो पा रही थी। इसी बात को लेकर वह परेशान बताया जा रहा था। बताया गया कि करीब दो वर्ष पूर्व ऋषिराज के भाई ने भी फांसी लगाकर जान दे दी थी। घटना के बाद से मोहल्ले में भी मातम का माहौल है।

शोषित व वंचित वर्गों तक पहुंचाएं सरकारी योजनाओं का लाभ : रामसिंह

» सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी सदस्य ने की योजनाओं की समीक्षा

» आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य राम सिंह बाल्मीकि ने ललितपुर पहुंचकर लोक निर्माण विभाग के सर्किट हाउस में अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित शोषित और वंचित वर्गों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों तक पहुंच और लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाया जाए। कहा कि किसी भी स्तर पर वंचित वर्गों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य जरूरतमंद लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए और पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। बैठक में कई फरियादियों ने सदस्य के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। मेडिकल कॉलेज के आउटसोर्स कर्मचारियों ने संयुक्त ज्ञापन देकर बताया कि उन्हें कई महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए राम सिंह वाल्मीकि ने दूरभाष पर सीएमओ से वार्ता की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप लाभ दिलाया जाए। उन्होंने नए टेंडर की प्रक्रिया में आउटसोर्सिंग सेवा निगम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने तथा की गई कार्रवाई से उन्हें व्यक्तिगत रूप से अवगत कराने के निर्देश दिए। सदस्य के हस्तक्षेप के बाद कर्मचारियों में खुशी का माहौल रहा और उन्होंने उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। नगर क्षेत्र की कुछ महिलाओं ने नगर पालिका में आउटसोर्सिंग व्यवस्था को लेकर शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि कुछ कर्मचारियों द्वारा अपने रिश्तेदारों के नाम आउटसोर्सिंग में दर्ज कराए गए हैं और बिना काम किए वेतन दिलाया जा रहा है। शिकायत पर सदस्य ने इसे गंभीर मामला बताते हुए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा को निर्देश दिए कि कार्यदायी संस्था से आउटसोर्स कर्मचारियों की पूरी सूची प्राप्त कर उनका स्थलीय सत्यापन कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सूची में दर्ज कर्मचारी वास्तव में कार्य कर रहे हैं या नहीं। । ऐसी व्यवस्था को किसी भी स्थिति में प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। सदस्य ने समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान सीवर में डूबने से हुई मौतों से संबंधित जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि जिले में ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई है। इस पर राम सिंह वाल्मीकि ने कहा कि यदि सीवर में डूबने से किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो शासन की व्यवस्था के अनुसार पात्र परिवार को 30 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति और एक नौकरी का प्रावधान है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी कोई घटना सामने आने पर तत्काल जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को नियमानुसार सहायता दिलाई जा सके। उन्होंने अनुसूचित जाति उत्पीड़न से जुड़े आर्थिक सहायता के लंबित मामलों में भी तेजी लाने तथा पात्र पीड़ितों को शीघ्र भुगतान कराने के निर्देश दिए। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान शिकायतकर्ताओं ने मृतक आश्रितों को दस साला का लाभ न दिए जाने की शिकायत रखी। इस पर सदस्य ने नाराजगी जताते हुए कहा कि लगभग आठ माह पूर्व किए गए निरीक्षण के दौरान भी इस समस्या के समाधान के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अभी तक इसका निस्तारण नहीं होना गंभीर और खेदजनक स्थिति है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राम सिंह वाल्मीकि ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड, सामूहिक विवाह, शादी अनुदान, पारिवारिक लाभ, पेंशन, छात्रवृत्ति सहित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में शोषित, वंचित और पात्र लोगों को प्राथमिकता दी जाए।

अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

पूराकलां पुलिस की कार्रवाई, चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया आरोपी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पूराकलां थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी तालबेहट आशीष मिश्र के पर्यवेक्षण में थाना पूराकलां पुलिस द्वारा अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से एक युवक के अवैध हथियार लेकर घूमने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान महानगर झांसी के थाना सीपरी बाजार अंतर्गत मिशन कम्पाउण्ड व हाल अयोध्यापुरी निवासी संस्कार रावत पुत्र अभय रावत के रूप में हुई। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर थाना पूराकलां में मु.अ.सं. 122/2026, धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस द्वारा आरोपी को रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से भी विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा वर्तमान मामले में धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह थाना पूराकलां मय पुलिस टीम शामिल रही।

बार सीएचसी में रक्तदान शिविर, छह लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

» देहदान-अंगदान और नशा मुक्ति को लेकर भी चलाया जागरूकता अभियान

» ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बार में शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रक्त केंद्र एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छह लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपना योगदान दिया। इस दौरान देहदान, अंगदान एवं नशा मुक्ति को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। शिविर का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डा. केतन कुमार एवं खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में शेर सिंह यादव, अमन मोदी, दीपक वाल्मीकि, जाहर सिंह, अशोक कुमार एवं अगमजोत सिंह अरोड़ा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए देहदान एवं अंगदान के लिए पंजीकरण तथा नशा मुक्ति को लेकर जागरूक किया गया। ट्रस्ट संस्थापक खुशालचन्द्र साहू ने कहा कि रक्तदान और अंगदान महादान है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से रक्तदान एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ना जरूरी है, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य रक्तदान के साथ-साथ देहदान, अंगदान और नशा मुक्ति के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करना भी है। शिविर के दौरान ओपीडी में मरीजों और तीमारदारों की पर्याप्त संख्या मौजूद रही, लेकिन रक्तदान के लिए अपेक्षाकृत कम लोगों के आगे आने से ग्रामीण क्षेत्र में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता सामने आई। इसके अलावा नियमित रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह नहीं होने से भी अपेक्षित संख्या में रक्तदाता नहीं जुट पाते। आयोजकों ने आगामी रक्तदान शिविरों में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्व-पंजीकरण एवं जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया। अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम, आशा कार्यकत्रियों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं युवा संगठनों को जोड़ने की आवश्यकता बताई गई। पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं का स्थायी संपर्क समूह तैयार करने पर भी जोर दिया गया। रक्त केंद्र की ओर से शिविर के आयोजन में डा.विमल यादव, बालमुकुंद साध, सूरज कुमार, आकाश कुमार, प्रीतम एवं भवानी सिंह सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार की पूरी टीम का सहयोग सराहनीय रहा। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संयोजक ज्योति सिंह लोधी, काउंसलर डा.के. एस. यादव, वित्तीय पर्यवेक्षक जे.पी. यादव, मंत्री राजपाल फौजी, उपाध्यक्ष महेश कुशवाहा, ट्रस्टी सामंत सिंह यादव एवं शेर सिंह यादव तथा मीडिया सेल से अमित लखेरा एवं देवेन्द्र साहू मौजूद रहे। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विषाक्त पदार्थ खाने से युवक की हालत बिगड़ी, जिला अस्पताल रेफर

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के विद्या राजपुर निवासी 30 वर्षीय बागराज पुत्र डरू ने अज्ञात कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। सीएचसी में चिकित्सकों ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

मंदिर में पति पर स्प्रे करने का आरोप, विरोध पर महिला से मारपीट

तालबेहट। कस्बा के बस स्टैंड निवासी दंत चिकित्सक पर घरेलू विवाद के चलते सगे भाई ने स्प्रे से घायल कर दिया। बीच बचाव करने आई पत्नी से भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। पत्नी की शिकायत पर आरोपी देवर और देवरानी पर मामला दर्ज कराया गया। कस्बे के कृष्णानगर वार्ड नंबर तीन निवासी इंदुमाला वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि नौ अगस्त की रात करीब नौ बजे वह अपने पति रोविंद वर्मा के साथ नन्नूबाबा मंदिर गई थी। इसी दौरान उसका देवर दीपक वर्मा अपनी पत्नी सुस्मिता वर्मा के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि दीपक ने उसके पति पर कोई स्प्रे कर दिया, जिससे वह विचलित होकर वहीं बैठ गए। महिला के मुताबिक, जब उसने पति को बचाने का प्रयास किया तो देवर और उसकी पत्नी ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मंदिर में मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। आरोप है कि इसके बाद दोनों जान से मारने की धमकी देकर चले गए। महिला ने बताया कि मारपीट के दौरान उसके गले में पहनी चेन भी कहीं गिर गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तिरंगा यात्रा में गूंजे देशभक्ति के तराने, लहराया तिरंगा

तालबेहट। भाजपा नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली गई। डीजे पर बज रही देश भक्ति धुनों के बीच हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे स्कूली बच्चों, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से नगर का माहौल देश भक्तिमय हो गया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ मर्दन सिंह खेल मैदान से हुआ। यात्रा तहसील रोड, पुराने पेट्रोल पंप और बस स्टैंड होते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। इस दौरान कार्यकर्ताओं और स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए देशभक्ति के नारे लगाए।यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, मंडल अध्यक्ष नीरज पटैरिया, नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार, मनोज त्रिपाठी घण्टी, राजेंद्र लिटौरिया, राजू चौबे, दिवाकर नाथ, मीनू वाल्मीकि, सोमेश गुप्ता, सुबोध दीक्षित, अश्वनी पुरोहित, राजेंद्र शर्मा, अंशुल अग्निहोत्री सहित विभिन्न स्कूलों के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और पुलिस बल मौजूद रहा।

बम्होरीसर और कडेसरा कलां में सोलर पैनल की प्लेटें चोरी

सिंचाई और चक्की का काम भी ठप

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र में सोलर पैनल की प्लेटें चोरी होने की दो घटनाएं सामने आई हैं। बम्हौरी के पास कुएं पर सिंचाई के लिए लगे सोलर प्लांट की प्लेटें चोरी हो गई, वहीं कडेसरा कलां गांव में आटा चक्की चलाने के लिए लगाए गए सोलर पैनल की सात प्लेटें अज्ञात चोर ले गए। दोनों मामलों में पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

मुहल्ला रानीपुरा निवासी रामसिंह यादव ने पुलिस को बताया कि चौबयाना निवासी बृजेन्द्र सोनी के बम्हौरी हाईवे के पास स्थित कुएं पर वह बटाई से खेती करता है। नौ अगस्त की रात अज्ञात चोर सिंचाई के लिए लगाए गए सोलर प्लांट की प्लेटें चोरी कर ले गए। सुबह मोटर चलाने पहुंचने पर चोरी का पता चला। मौके पर तार इधर-उधर पड़े मिले। काफी खोजबीन के बाद भी प्लेटों का पता नहीं चला। वहीं, कड़ेसराकलां निवासी अमर सिंह बुंदेला ने बताया कि वह सोलर ऊर्जा से आटा चक्की चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। 29 जुलाई की रात उसकी गैरमौजूदगी में अज्ञात चोर सोलर पैनल की सात प्लेटें चोरी कर ले गए। घटना के बाद से वह लगातार प्लेटों की तलाश कर रहा है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सोलर प्लेटें चोरी होने से उसकी आटा चक्की का काम भी बंद पड़ा है। दोनों मामलों में पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

दो कार्यदिवस में पूरी कराएं वृक्षारोपण स्थलों की जियो-टैगिंग : डीएम

» जिला वृक्षारोपण एवं पर्यावरण समिति की मासिक समीक्षा बैठक में सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर रोक

» कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2026 में प्रस्तावित वृक्षारोपण, जियो-टैगिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध सहित विभिन्न पर्यावरणीय विषयों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक का शुभारंभ डीएफओ नवीन प्रकाश शाक्य ने किया। उन्होंने समिति को अवगत कराया कि वर्ष 2026 में कराए जाने वाले वृक्षारोपण स्थलों की जियो-टैगिंग का कार्य अभी तक पूरी तरह पूर्ण नहीं हुआ है। वर्तमान में करीब 80 प्रतिशत स्थलों की जियो-टैगिंग पूरी की जा चुकी है। बैठक में बताया गया कि प्राविधिक शिक्षा, औद्योगिक विकास, श्रम, परिवहन, आवास विकास, रेलवे, स्वास्थ्य, पंचायतीराज एवं उद्योग विभाग सहित संबंधित विभागों द्वारा जियो-टैगिंग का कार्य किया गया है। जिलाधिकारी ने जियो-टैगिंग कार्य की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष स्थलों की जियो-टैगिंग का कार्य दो कार्यदिवस के भीतर हर हाल में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्य की निगरानी एवं सत्यापन के लिए जियो-टैगिंग महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने नगर पालिका, नगर पंचायत एवं पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, प्रबंधन एवं निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनपद में सघन अभियान चलाकर सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध एवं जनजागरूकता फैलाने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी रोक सुनिश्चित की जाए। बैठक में ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, कंस्ट्रक्शन एवं डिमोलिशन अपशिष्ट, जैव चिकित्सा अपशिष्ट तथा ई-वेस्ट के प्रबंधन और निस्तारण की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्र के सभी 26 वार्डों से निकलने वाले कचरे का नियमानुसार संग्रहण, प्रबंधन एवं निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पर्यावरणीय नियमों के प्रभावी अनुपालन के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा कचरा प्रबंधन व्यवस्था की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में एडीएम दिनेश कुमार, उपायुक्त मनरेगा रमेश यादव, डीपीआरओ कुंवरसिंह यादव, डीआईओएस ओमप्रकाश, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड भूपेश सुहेरा, कृषि उप निदेशक अख्तर हुसैन, डा.राजेश भारती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आजादी के जश्न से पहले ललितपुर रेलवे स्टेशन पर हाई अलर्ट

» 80वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर प्लेटफार्म से सर्कुलेटिंग एरिया तक सघन चेकिंग

» बम डिस्पोजल टीम और डॉग स्क्वॉड ने खंगाला स्टेशन परिसर

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

80वें स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए व्यापक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। सुरक्षा टीमों ने प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन परिसर के अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों को बारीकी से खंगाला। सहायक सुरक्षा आयुक्त झांसी के निर्देशन में रेलवे की क्राइम विंग, जीआरपी, बम डिस्पोजल टीम और डॉग स्क्वॉड ने पर्याप्त सुरक्षा बल के साथ स्टेशन परिसर में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान यात्रियों की आवाजाही वाले स्थानों, प्लेटफॉर्म तथा आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों की गहनता से जांच की गई। स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व से पहले सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता के चलते रेलवे स्टेशन पर कुछ समय के लिए विशेष सतर्कता का माहौल रहा। प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोजल टीम ने स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में संदिग्ध वस्तुओं की जांच की। सुरक्षा कर्मियों ने यात्रियों के सामान और संवेदनशील स्थानों पर भी निगरानी रखते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की संभावना को परखा। अभियान के दौरान सुरक्षा टीमों ने स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही संभावित खतरे से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को भी परखा। यात्रियों और आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्लेटफॉर्म तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। सघन चेकिंग अभियान के दौरान सुरक्षा टीमों को कोई संदिग्ध या असामान्य वस्तु अथवा गतिविधि नहीं मिली। गहन जांच के बाद स्टेशन परिसर में स्थिति सामान्य पाई गई। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय पर्व के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सुरक्षा तंत्र पूरी तरह सतर्क है। अधिकारियों के निर्देश पर आने वाले दिनों में भी रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी तथा चेकिंग अभियान जारी रहने की संभावना है।

लेनदेन के विवाद में पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी

» चार आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

» एक आरोपी पिस्टल-कारतूस के साथ गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

पूराकलां थाना क्षेत्र में रुपये के लेनदेन को लेकर युवक को पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया। जिसमें से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है।

मऊरानीपुर निवासी देवांश तिवारी पुत्र महेश तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 10 अगस्त की शाम करीब सात बजे वह अपने दोस्त अनुरुद्ध उर्फ अंश के साथ कार से तालबेहट से पूराकलां जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में संस्कार रावत पुत्र अभय झाँसी, सक्षम पुत्र सुनील पुरोहित,सचिन पुत्र सत्यनारायण एवं अतुल शर्मा पुत्र राजकुमार शर्मा ने कार से उसकी कार को पीछा कर रोक लिया। आरोपियों ने रुपये के लेनदेन को लेकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। तहरीर के मुताबिक, विरोध करने पर संस्कार रावत ने पिस्टल निकालकर जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर आसपास के लोगों को आता देख आरोपी अपने वाहन से तालबेहट की ओर भाग गए। पीड़ित के शिकायती पत्र पर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों को मिली वीवीआईपी सुविधाएं

इस लेनदेन की बारदात में आरोपित चारो आरोपियों को पुलिस ने अतिथियों की तरह आवभगत की। लॉकअप के बजाय कुर्सियों पर चाय नाश्ते के बीच मुचलका भरते हुए शांतिभंग में चालान किया। आरोपियों को लग्जरी कार से एसडीएम कोर्ट लाया था। आरोपियों के वीवीआईपी ट्रीटमेंट को लेकर खासी चर्चा है।

विषाक्त पदार्थ खाने से युवक की हालत बिगड़ी, जिला अस्पताल रेफर

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के विद्या राजपुर निवासी 30 वर्षीय बागराज पुत्र डरू ने अज्ञात कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। सीएचसी में चिकित्सकों ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

जाखलौन में भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सदर विधायक ने किया नवनिर्मित लव कुश सामुदायिक भवन का लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत सदर विधानसभा के जाखलौन में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह और जोश के साथ सहभागिता की। चारों ओर लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर दिखाई दिया।

तिरंगा यात्रा में ललितपुर सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने भी सहभागिता की। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं एवं क्षेत्रवासियों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की प्रगति में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। तिरंगा यात्रा के तत्पश्चात विधायक रामरतन कुशवाहा ने जाखलौन में नवनिर्मित लव कुश सामुदायिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन के निर्माण से क्षेत्रवासियों को विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जन सुविधाओं के विस्तार एवं विकास कार्यों को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। सदर विधायक ने कहा कि ललितपुर विधानसभा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के साथ-साथ ऐसे कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिनका सीधा लाभ आमजन को मिले। सामुदायिक भवन जैसे विकास कार्य स्थानीय लोगों के लिए उपयोगी साबित होंगे और सामाजिक आयोजनों के लिए एक बेहतर स्थान उपलब्ध कराएंगे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं भारत माता की जय, वंदे मातरम् के जयघोष के साथ हुआ। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष देशपत कुशवाहा, मंडल उपाध्यक्ष विपिन निरंजन, पवन राजा, कृष्ण प्रजापति, रवि पाठक, माधव राजपूत, महामंत्री मनोहर अहिरवार, अजय पाल, राकेश पाल, अवधेश बबेले, क्रांति कुशवाहा, प्रदीप साहू, डॉक्टर हरिओम लोधी, हरिराम निरंजन, मोहित निरंजन आत्माराम, उपाध्यक्ष सुरेश, श्याम बिहारी कौशिक, प्रेम सिंह बुंदेला, शैलेंद्र सिंह बुंदेला, रमाकांत गोस्वामी, खड़बड़ बाबू, सोहन सिंह लोधी, कल्लू लोधी, राव राजा, प्रदीप पुरोहित, मनोज रजक, अजय कुशवाहा, दीपू कुशवाहा, दयाराम कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा, राकेश कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा,परमलाल जितेंद्र कुशवाहा, राकेश कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा, देवेंद्र अहिरवार, लक्ष्मण कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, रवि, धर्मेंद्र, देवकीनंदन, नाथूराम कुशवाहा, रमेश, भगवत कुशवाहा, सिंह राम कुशवाहा, नारायण कुशवाहा, कृष्ण कुशवाहा, मुन्ना कुशवाहा, कल्लू कुशवाहा, संतोष कुशवाहा व्रतिक कुशवाहा हर प्रसाद कुशवाहा हरि चरण कुशवाहा, पप्पू कुशवाहा, रितिक कुशवाहा, जगदीश कुशवाहा, बल्लू कुशवाहा, विजय कुशवाहा, पन्नालाल कुशवाहा मुन्ना टेलर, दिनेश मिस्त्री, हरगोविंद, पुष्पेंद्र, अश्विनी मिश्र, प्रवेश शर्मा, देवेंद्र सिंह बुंदेला, राजू कुशवाहा, भारत कुशवाहा, काशीराम सहरिया, रामचरण सहरिया, पियूष बुंदेल, अनुरागेंद्र सिंह, प्रदीप उपाध्याय, विजय राजपूत सिंह राम लोधी, रोहित रजक, अरुण पाठक, अभिषेक पाल, राजकुमार कुशवाहा, रोहित, शिवचरण लोधी, रवि, रामकिशन, ईश्वर दास, हर स्वरूप, कृपाल प्रजापति, सुख लाल सहरिया, नितेश साहू, सुजीत, रामकुमार, सुरेंद्र रानू, राकेश, सूरज, प्रमोद, अखिलेश, कैलाश, गुलाब प्रजापति, पुष्पेंद्र, आकाश राजपूत, मनोज चौबे, लक्ष्मण साहू, बिहारी साहू, निलेश नायक, स्वरूप चौहान, अनिल, मोहन गोस्वामी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

डोंडाघाट प्लांट की पाइप लाइन में मरम्मत

» 13 और 14 अगस्त को पेयजल आपूर्ति रहेगी प्रभावित
» दो दिन पानी की सप्लाई पर पड़ेगा असर
» प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों से उपलब्ध कराया जाएगा पेयजल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण पाइपलाइन में आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते 13 और 14 अगस्त को कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), निर्माण खंड झांसी द्वारा डोंडाघाट स्थित 10 एमएलडी जल शोधन संयंत्र से भरने वाले भूमिगत जलाशय की पाइपलाइन में मरम्मत कार्य कराया जा रहा है।

इस भूमिगत जलाशय के माध्यम से लहसिया स्थित वाटर वर्क्स परिसर में स्थापित 1350 किलोलीटर और 1500 किलोलीटर क्षमता वाले शिरोपरि जलाशयों (ओवरहेड टैंकों) को पानी की आपूर्ति की जाती है। पाइपलाइन की मरम्मत के दौरान जलापूर्ति प्रभावित होने के कारण 13 व 14 अगस्त 2026 को संबंधित क्षेत्रों में नियमित पेयजल आपूर्ति बाधित रहने की संभावना है। इस संबंध में अधिशाषी अभियंता मुकेश पाल सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि मरम्मत कार्य पूरा होने तक अपने स्तर पर पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कर लें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पेयजल संकट से निपटने के लिए जिला प्रशासन और जल संस्थान की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आवश्यकता वाले क्षेत्रों में टैंकरों से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जल विभाग के अधिकारियों के अनुसार पाइपलाइन का मरम्मत कार्य आवश्यक है और कार्य पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जाएगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वह दो दिनों के लिए आवश्यक मात्रा में पानी सुरक्षित रख लें और टैंकरों की सुविधा का आवश्यकता अनुसार उपयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

ऑनलाइन ठगी के शिकार युवक के 1.27 लाख रुपये पुलिस ने कराए वापस, बैंक-खाते से उड़ाई गई थी 1,27,501 रुपये की रकम

ललितपुर। ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार एक युवक के खाते से ठगी गई 1,27,501 रुपये की पूरी धनराशि को कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वापस करा दिया। रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक समेत कोतवाली पुलिस की सराहना करते हुए आभार जताया। बिदुआ कॉलोनी निवासी पवन पुत्र रविन्द्र के साथ ऑनलाइन माध्यम से कुल 1,27,501 रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी हुई थी। मामले की शिकायत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से पुलिस को प्राप्त हुई थी। शिकायत मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेजों का अवलोकन कर तकनीकी विश्लेषण किया। इसके बाद पुलिस टीम ने संबंधित वित्तीय एजेंसियों, बैंकों और वॉलेट से संपर्क स्थापित कर आवश्यक पत्राचार एवं ईमेल के माध्यम से कार्रवाई की। पुलिस के प्रयासों से ठगी की गई धनराशि को संबंधित स्तर पर होल्ड कराया गया और नियमानुसार प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित के खाते में पूरी रकम वापस करा दी गई। पुलिस के मुताबिक पीड़ित से 1,27,501 रुपये की ठगी हुई थी और कार्रवाई के बाद 1,27,501 रुपये की पूरी धनराशि वापस करा दी गई।

हर घर तिरंगा अभियान 2026 : तिरंगे से आजीविका

ललितपुर। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत हर-घर तिरंगा अभियान में जनपद ललितपुर में दिनांक 11 से 15 अगस्त तक विकासखण्ड एवं जनपद स्तर पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, लखनऊ के निर्देशानुसार मिशन अंतर्गत गठित ग्रामीण क्षेत्र के स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों द्वारा तिरंगा झंडा निर्माण किया जा रहा है। समूह द्वारा निर्मित झंडों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रत्येक सरकारी व गैर सरकारी भवन, कार्यालय, प्रतिष्ठान तथा मकान में तिरंगा लगाया जाना है जिस हेतु जनपद को मिशन मुख्यालय से 03.17 लाख तिरंगा झंडा बनाने का लक्ष्य प्राप्त है। शासन का मानना है कि झंडा निर्माण से प्राप्त आय से महिलाओं को अतिरिक्त आय होगी एवं जनमानस के मन में तिरंगा के प्रति लगाव व सम्मान पैदा होगा।

नाराहट में कन्या प्राइमरी पाठशाला के पास लगे गीले कूड़े का ढेर से इलाके में फैली दुर्गंध

» कूड़े से निकलने वाली तेज दुर्गंध के कारण स्कूल में पढ़ने वाली बच्चियों और आसपास के लोगों को हो रही काफी परेशानी
» लोगों ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर इलाके में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जहां एक और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वच्छता मिशन का नारा देकर लगातार स्वच्छता अभियान चलाने के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित कर रहे हैं, ताकि शहरी इलाके से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वच्छता बनी रहे और लोगों का जीवन सरल बने। लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता की वजह से लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद इस स्वच्छता मिशन को पलीता लगाया जा रहा है। ऐसे ही स्वच्छता मिशन को बालिका लगाने का ताजा मामला थाना नाराहट के स्थानीय कस्बे में सामने आया है, जहां बरसात के दिनों में कूड़े के देर के अंबार लगे हुए हैं और गीले कूड़े से फ़ैल रही बदबू से आसपास के स्कूलों में पढ़ रहे बच्चे और ग्रामीण काफी परेशान है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने कूड़े के ढेर का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया और इलाके में स्वच्छता अभियान चलाने की मांग उठाई।

शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देश पर जनपद में शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक स्वच्छता मिशन के तहत साफ सफाई का अभियान प्रतिदिन चलाया जाता है, जिस पर लाखों रुपए खर्च होते हैं। स्वच्छता मिशन अभियान चलाने की जिम्मेदारी नगर में नगर पालिका कस्बा में नगर पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर पर तय की जाती है। लेकिन ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम प्रधान और सचिन की लचर कार्य प्रणाली के चलते गांव में स्वच्छता मिशन को पलीता लगाने का काम किया जाता है और साफ सफाई अभियान नियत समय पर नहीं चलाया जाता, जिससे गंदगी के अंबार लगे रहते हैं और लोगों को परेशानी होती है। ऐसे ही मामले को लेकर थाना नाराहट क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बे में जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते स्वच्छता मिशन को पलीता लगाया जा रहा है जहां स्कूल के आसपास और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जिसे इलाके में दुर्गंध और सड़ाध फैल रही है। बताया गया है कि नाराहट कस्बे के कन्या प्राइमरी पाठशाला के आसपास बड़े पैमाने पर कचरे की ढेर लगे हुए हैं, जो कचरा काफी दिन पुराना बताया जा रहा है और जिम्मेदारों द्वारा उठाया नहीं गया। बरसात होने के कारण कचरा सड़ भी गया है और सड़ने के कारण इलाके में दुर्गंध फैल रही है, जिस कारण स्कूली बच्चे तो परेशान हो ही रहे हैं, साथ ही आसपास रहने वाले लोगों की परेशानियां भी बढ़ गई है। इतना ही नहीं आशंका जताई जा रही है, कि बरसात के कारण इस सड़ रहे कचरे से संक्रमिक बीमारियां भी फैल सकती हैं। कस्बे के लोगों ने पहले कचरे का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया और नगर/ग्राम प्रशासन से कूड़े के ढेर को जल्द से जल्द हटवाकर स्कूल के आस पास नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग उठाई।

शहजाद नदी के पास ताश के पत्तों पर पैसों से हार-जीत की बाजी लगा रहे है जुआरियों

पैसों से हार-जीत की बाजी लगाते जुआरियों का वीडियो हुआ वायरल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर के बाहरी इलाके शहजाद नदी किनारे में कुछ लोगों का खेतों के बीच पैसों से हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलने का वीडियो वायरल हुआ। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस पड़ताल में जुट गई है। यह वायरल वीडियो कुछ दिनों पुराना बताया जा रहा है। बताया गया है कि जहां का यह वीडियो है, यह एक निर्जन किस्म का इलाका है, जहां सिर्फ कुछ किसानों के खेत बने हुये हैं, यहां आमतौर पर कोई आता जाता नहीं।

मंगलवार की देर शाम सोशल मीडिया के प्लेटफार्म फेसबुक इंस्टाग्राम आदि पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कुछ लोग एक इलाके में जुआ खेलते नजर आ रहे हैं। जानकारी करने पर पता चला कि यह वायरल वीडियो शहर के बाहर सुरई घाट के पास से निकली पुरानी शहजाद नदी के पुल के आस-पास के इलाके का है, जहां आसपास के किसानों के खेत बने हुए हैं, लेकिन यहां पर आमतौर पर कोई आता जाता नहीं। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है कि कुछ लोग यहां पर पैसों से हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं और कुछ लोग तमाशबीन बने हुए हैं। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही यह पुलिस सदर कोतवाली पुलिस ने संज्ञान में लिया और मामले की पड़ताल में जुट गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां पर जो लोग तमाशबीन बने हुए हैं, उन्हें में से किसी ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। बताते चलें कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर जनपद में अपराध अपराधियों पर लगाम लगाए जाने के उद्देश्य से चेकिंग और गस्त अभियान चलाया जा रहा है। इसके बावजूद कुछ लोग पुलिस को धता बताकर निर्जन इलाके में पैसों से हार जीत की बाजी लगाते हैं।

जिम्मेदारों की उदासीनता जान पर पड़ रही भारी..... आज भी आवारा मवेशियों के कारण हो रही सड़क दुर्घटनाएं

» हाईवे बाईपास पर टमाटर से भरा तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलटने से हुआ नुकसान, किसी के हताहत होने की खबर नहीं
» सड़क पर टहल रहे आवारा मवेशियों को बचाने के चक्कर में ट्रक हुआ सड़क हादसे का शिकार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 44 बाईपास पर तेज गति से टमाटर लेकर जा रहा है एक ट्रक अचानक उसे समय अनियंत्रित होकर पलट गया जब उसके सामने सड़क पर टहलता हुआ आवारा मवेशी आ गया। मवेशी को बचाने के चक्कर में हाईवे किनारे ट्रक पलट गया जिससे उसमें भरे हुए टमाटर सड़क पर बिखर गए और बड़ा नुकसान हुआ हालांकि इस घटना में किसी के जाता थोड़ी की कोई खबर नहीं। लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण सड़कों पर चहल कदमी कर रहे आवारा मवेशियों के कारण एक और बड़ी दुर्घटना घट गई। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवारा मवेशियों को रखने के लिए जनपद में कई स्थाई और अस्थाई गौशालाओं का संचालन करवाया है जिस पर भारी भरकम बजट खर्च हो रहा है।

शासन की मंशा के अनुरूप भारी भरकम बजट खर्च कर जनपद में संचालित स्थाई और अस्थाई गौशालाओं के बावजूद शहर की सड़कों से लेकर गांव की गलियों तक आवारा पशु चहलकदमी कर रहे, जिसे लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं और कई लोगों की तो जान तक जा रही है। जबकि सड़कों पर चहल कदमी कर रहे आवारा गोवशो को गौशालाओं में रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद में स्थाई और अस्थाई गौशालाओं का संचालन करवाक़र उनमें रखने की दिशा निर्देश जारी किए थे, जिनका पालन अब नहीं होता हुआ दिखाई दे रहा है। जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की उदासीनता के चलते आज भी आवारा गोवंश शहर से लेकर गांव की गलियों और हाईवे पर घूम रहे हैं, जो लगातार सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। बताया गया है कि ट्रक क्रमांक आरजे 11 जीडी 3316 बेंगलुरु से टमाटर भरकर दिल्ली की ओर जा रहा था। यह ट्रक बुधवार को जनपद की सीमा से गुजरा हुआ सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ललितपुर बाईपास हाईवे पर जा रहा था, तभी ट्रक के सामने कुछ आवारा मवेशी आ गए, जिन्हें देखकर ट्रक ड्राइवर के हाथ-पाँव फूल गए और तेज गति से भाग रहा ट्रक उसके नियंत्रण से बाहर हो गया। इस दौरान अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे पलट गया और उसमें लगे हुए टमाटर सड़क पर चारों ओर बिखर गए। गनीमत यह रही कि ट्रक पलटने के बावजूद उसमें सवार ड्राइवर क्लीनर को कोई चोट नहीं आई, वह सुरक्षित बच गए। घटना की सूचना पर यातायात पुलिस और सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, जिसे आसपास के लोगों की मदद से सड़क पर बिखरे हुए टमाटरों को एक तरफ करवाया और यातायात सुचारू करवाया।

पुरानी एफआईआर वापस लेने का दबाव, कोर्ट पार्किंग में डॉक्टर से मारपीट

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र में न्यायालय परिसर की पार्किंग में पुरानी एफआईआर वापस लेने का दबाव बनाने और डॉक्टर के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित डॉक्टर की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में आजादपुरा स्थित रिशाला मंदिर के पीछे सीए बिल्डिंग में रहने वाले डा.पियुष धनंजय जैन पुत्र धनंजय ने बताया कि वह पेशे से डॉक्टर हैं। उनके अनुसार 6 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 1.30 बजे वह न्यायालय में तारीख करने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान न्यायालय परिसर की पार्किंग में उनकी मुलाकात गांधीनगर निवासी हितेन्द्र जैन बडघरिया से हुई। आरोप है कि हितेन्द्र जैन ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट की। इसके बाद आरोपी ने पूर्व में उसके खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर वापस लेने का दबाव बनाया। शिकायतकर्ता के मुताबिक आरोपी ने एफआईआर वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद डॉक्टर ने तत्काल आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पीआरवी यू.पी.32 डी.जी. 5196 मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुका था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को यह भी बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में थाना कोतवाली में एक मुकदमा दर्ज है, जिसकी विवेचना वर्तमान में चल रही है। आरोप है कि इसी मुकदमे को वापस लेने के लिए उस पर दबाव बनाया गया। कोतवाली पुलिस ने डॉक्टर की तहरीर के आधार पर आरोपी हितेन्द्र जैन बडघरिया के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 115(2), 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

बोर्ड परीक्षा में वर्णी कॉलेज के छात्रों ने लहराया परचम

ललितपुर। श्री वर्णी जैन इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में विद्यार्थियों ने शानदार अंक हासिल करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में राजराय पुत्र भगवान दास ने 500 में से 413 अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वाधिक अंक हासिल किए। वहीं अंग्रेजी विषय में दिशांत निरंजन पुत्र कृपाराम रिछारिया ने 90 अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसी प्रकार हाईस्कूल परीक्षा 2026 में राज पुत्र गजराज ने 600 में से 520 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। गणित विषय में अतिन पुत्र कुंवर सिंह ने 83 अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की ओर से इन मेधावी विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन और उनकी उपलब्धि को सम्मान देने के लिए 15 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में एक-एक हजार का वी.एन. दुबे स्मृति पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से यह उपलब्धि हासिल हुई है। मेधावी विद्यार्थियों की सफलता से विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी।

मकान निर्माण के दौरान तोडफ़ोड़ और कब्जे का आरोप

ललितपुर। थाना महरौनी क्षेत्र के ग्राम पठाविजयपुरा में मकान निर्माण के दौरान जमीन पर जबरन कब्जा करने और निर्माण कार्य में तोडफ़ोड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने छह नामजद आरोपियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पठाविजयपुरा निवासी अवनीश पुत्र ब्रजबिहारी बिदुआ ने थाना महरौनी में दी तहरीर में बताया कि वह अपनी भूमि गाटा संख्या 1307, रकबा 0.082 हेक्टेयर पर मकान का निर्माण करा रहे थे। आरोप है कि 11 अगस्त 2026 को निर्माण कार्य के दौरान अखिलेश कुमारी, गीता, मीना, महिपाल, पुन्नी परमा समेत अन्य लोग एकजुट होकर निर्माण स्थल पर पहुंच गए। पीड़ित का आरोप है कि मौके पर पहुंचे लोगों ने निर्माण कार्य में तोडफ़ोड़ की और जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने डंडे आदि लेकर धमकाया तथा जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाना महरौनी पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अखिलेश कुमारी पुत्री हरप्रसाद, गीता पत्नी हरप्रसाद, मीना पत्नी रामलाल, महिपाल पुत्र रामलाल तथा पुन्नी परमा पुत्र परमा के खिलाफ बीएनएस की धारा 191(2), 191(3), 352, 351(3) और 324(4) के तहत कार्रवाई की है।

सदआचरण मे ही जीवन का कल्याण : मुनि विशद सागर

जैन अटामंदिर में होगी 16 को चातुर्मास स्थापना

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटा मंदिर में धर्मसभा को सम्बोधित करते मुनि श्री विशद सागर महाराज ने कहा मानव जीवन मिलने के वाद हमें अपने जीवन को सदआचरण से जोडकर ऐसा प्रयास करना चाहिए कि जिससे हमारे द्वारा किसी का अहित न हो। हमें दूसरों के धन पर ईर्ष्या नहीं करनी वरन ऐसा भाव बनाओ कि हम भी एक दिन ऐसे बनें। यह नहीं सोचना कि हम भाग्यहीन है वरन यह सोचना कि हमारा पड़ोसी अमीर है और इसमें संतोष करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा ग्रहस्थ पाप से रहित नहीं हो सकता वह हमेशा पापों में लिप्त रहकर पांच पापादि अशुभ कियाए करता है। व्यक्ति जहां हिंसा झूठ चोरी कुशील परिग्रह आदि कियाओं में रहेगा वह मुक्ति को प्राप्त नहीं कर सकता। मुनि श्री ने कहा जैन दर्शन में बताया कि उस मार्ग का अनुसरण करो जिसको संत करते हैं इसी में कल्याण है।

धर्मसभा का शुभारम्भ संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्जवलित कर श्रेष्ठीजनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जैन पंचायत के महामंत्री आकाश जैन ने बताया कि 16 अगस्त को अपरान्ह 1 बजे जैन अटामंदिर में मुनि संघ का चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य वाल ब्रहमचारी प्रदीप भैया सुयश अशोकनगर के मार्गदर्शन में होगा जिसको लेकर जैन जैन समाज में उत्साह का माहौल है। इस मौके पर जैन पंचायत अध्यक्ष डा० अक्षय टडैया, संयोजक सनत जैन खजुरिया, कोषाध्यक्ष सीए सौरभ जैन, मंदिर प्रबंधक मनोज जैन बबीना, अजय जैन गंगचारी, पूर्व पार्षद मोदी पंकज जैन, शीलचंद अनौरा, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, पूर्व अध्यक्ष अनिल जैन अंचल, महेन्द्र जैन मयूर, दिलीप चौधरी, मनोज जैन जडीबूटी, पुष्पेन्द्र अनोरा, अनंत सराफ, नरेश मुक्ता, पत्रकार मनोज जैन, अनीता मोदी, डा० नीलम सर्राफ, ज्योति नजा,मालती सराफ,सरिता जैन,उषा जैन, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जोड़ों के दर्द को न करें अनदेखा : डा.आकाश खैरा

» की-होल सर्जरी और दूरबीन पद्धति है कारगर इलाज : डा.युगल वरंदानी
» विश्व ज्वाइंट रिप्लेसमेंट दिवस पर चलाया जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

विश्व जोड़ प्रत्यारोपण दिवस यानी वर्ड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट डे पर बुधवार को अस्थिरोग विशेषज्ञ सर्जन डा.आकाश खैरा ने एक विशेष जागरूकता अभियान का संचालन किया। उनका सहयोग करने वालों में अपोलो सेज अस्पताल भोपाल के ऑर्थोस्कोपी एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डा.युगल वरंदानी की टीम मौजूद रही।

जागरूकता अभियान के दौरान डा.आकाश खैरा ने आमजन को जागरूक करते हुये बताया कि जोड़ों के दर्द को नजरअंदाज न करें, बल्कि समस्या का सही समाधान करें। उन्होंने बताया कि आजकल की आपाधापी वाली जिंदगी में बढ़ती उम्र, मोटापा और गठिया रोग की वजह से घुटनों व कूल्हों के दर्द की समस्या लगातार बढ़ रही है। यदि उठने बैठने, चलने फिरने या सीढ़ियां चढऩे में मरीज को लगातार दर्द हो तो यह जोड़ों के घिसाव का संकेत हो सकता है। इसका समुचित इलाज अधिकांश लोगों में दवा और फिजियोथेरेपी से हो सकता है। सारे मरीजों को जोड़ बदलवाने की जरूरत नहीं पड़ती है। इसके लिये मरीज को दैनिक दिनचर्या में सही बदलाव की आवश्यकता होती है। अपोलो सेज के सर्जन डा.युगल वरंदानी ने बताया कि जोड़ रोगों के इलाज के शुरुआती दिनों में जोड़ों में लगने वाले इंजेक्शन और उचित बाह्य पट्टों से काफी आराम मिल जाता है और घुटना बदलवाने की जरूरत नहीं होती है। उन्होंने बताया कि की-होल सर्जरी और दूरबीन पद्धति से ऑपरेशन करके भी बीमारी का इलाज किया जाता है। यह भी बताया कि वर्तमान में उन्नत तकनीकि से किये जाने वाला ज्वाइंट रिप्लेसमेंट का ऑपरेशन अब पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद है। इससे डरने की जरूरत नहीं है। अब कूल्हे और घुटने की समस्या का सही इलाज संभव है। इस अभियान के दौरान आलिया बानो, ऋचा व्यास, नैनसी व्यास, कंचन, राहुल शर्मा, निशान्त कुमार, महक, अनिमेश तिवारी आदि का सहयोग रहा।

मरीजों को मिला निःशुल्क परीक्षण और परामर्श

इस अभियान के दौरान पीड़ित मरीजों को जोड़ों का निःशुल्क परीक्षण किया गया और उन्हें निःशुल्क परामर्श दिया गया। मरीजों को अपनी जीवनशैली सही रूप में बदलने की सलाह दी गयी ताकि उन्हें जोड़ों के दर्द से मुक्ति मिल सके।

मुहारा गाँव में खेत पर काम क़र रहे किसान की साँप के काटने से बिगड़ी हालत

सीएचसी जखौरा से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज किया रेफर, चल रहा है इलाज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मुहारा गांव में खेत पर काम कर रहे एक किसान की सांप के काटने से हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में किसान के परिजनों से इलाज के लिए सीएससी जखोरा में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस दौरान किसान की झाड़ फूंक भी कराई गई।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मुहारा निवासी 55 वर्षीय बिट्टू पुत्र हर सिँह बुधवार की सुबह करीब 10:00 बजे अपने घर से खेत पर फसल की देखभाल करने के लिए अपने पुत्र के साथ गया हुआ था। बताया गया है कि जब वह खेत में कृषि संबंधी कार्य कर रहा था, तभी वहां पर बैठे किसी काले सांप ने उसे काट लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। किसान के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसका पुत्र मौके पर पहुंचा, जिसने सांप को वहां से जाते हुए देखा, तो उसे समझते देर ना लगी कि उसके पिता को सांप ने डसा है। इस दौरान उसने अपने अन्य परिजनों की मदद से अपने पिता को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखौरा में भर्ती कराया। सीएससी जखोरा में किसान को प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन जब उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ, तो उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है। परिजन ने बताया कि इलाज से पहले उन्होंने उसकी झाड़ फूँक भी कराई थी। फिलहाल किसान का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि किसान की हालत बिगड़ी तो उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाएगा।

निवेश के नाम पर ऑनलाइन ठगी से रहें सावधान, लालच में न गंवाएं मेहनत की कमाई

ललितपुर। साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को ऑनलाइन ठगी से बचाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में थाना जाखलौन की साइबर सेल/हेल्प डेस्क टीम ने इंटर कॉलेज जाखलौन में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध और विशेष रूप से निवेश के नाम पर ऑनलाइन ठगी के प्रति जागरूक किया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान साइबर टीम ने छात्र-छात्राओं को बताया कि साइबर ठग सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फोन कॉल, एसएमएस तथा फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। ठग कम समय में अधिक मुनाफा, शेयर बाजार, क्रिप्टोकरेंसी, ऑनलाइन ट्रेडिंग अथवा घर बैठे कमाई का झांसा देकर निवेश के लिए प्रेरित करते हैं। टीम ने बताया कि साइबर ठग शुरुआत में छोटी रकम निवेश कराने के बाद उसमें लाभ दिखाकर पीड़ित का भरोसा जीतते हैं। इसके बाद अधिक धनराशि निवेश कराने के बाद जब पीड़ित पैसा निकालने का प्रयास करता है तो ठग टैक्स, शुल्क, प्रोसेसिंग फीस या अन्य किसी बहाने से लगातार अतिरिक्त रकम की मांग करते हैं। इस तरह पीड़ित से बड़ी रकम ठगी जा सकती है।

भव्य और विशाल तिरंगा यात्रा में लगे भारत माता की जय के गगनभेदी नारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- 'वंदे मातरम' और भारत माता की जय के गगनभेदी उद्घोष के बीच बुधवार को भाजपा कोंच नगर मंडल के तत्वाधान में नगर में भव्य और विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। 110 मीटर लंबा तिरंगा ध्वज तिरंगा यात्रा में आकर्षण का केंद्र रहा। तिरंगा यात्रा में जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं कार्यकर्ता सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े लोग एवं नागरिक शामिल रहे। राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव दिवस का संदेश जन जन तक पहुंचाकर लोगों को राष्ट्रीय पर्व के उल्लास में सहभागी बनाने के उद्देश्य से भाजपा संगठन के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंडल स्तर पर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा गल्ला मंडी परिसर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से आरंभ हुई। माधोगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन, उई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष/ तिरंगा यात्रा प्रभारी उदयन पालीवाल एवं नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने संयुक्त रूप से तिरंगा ध्वज लहराकर यात्रा की शुरुआत की। मारकंडेश्वर तिराहा, रेलवे क्रासिंग, सागर चौकी, चंदकुआं, स्टेट बैंक, छावला की पुलिया से होकर यात्रा भारत माता मंदिर पहुंची जहां स्वतंत्रता की लड़ाई में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले माँ भारती के वीर अमर सपूतों को नमन किया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल लोग हाँथों में तिरंगा ध्वज थामकर डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों पर झूमते नाचते और नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। भारत माता एवं महारानी लक्ष्मीबाई के स्वरूप में सजकर बग्घी पर सवार बालिकाएँ आकर्षण का केंद्र बिंदु रहीं। एमपीडीसी महाविद्यालय एवं एसआरपी इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स निर्धारित गणवेश धारण कर कतार में साथ चल रहे थे। सूरजज्ञान और विद्या मंदिर कॉलेज के छात्र घोष वादन करते हुए यात्रा में शामिल रहे। रास्ते में जगह-जगह नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा की गई, साथ ही एसआरपी कॉलेज, बजाज एजेंसी, गहोई भवन आदि स्थानों पर स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। भारत माता मंदिर पर नगर पालिका परिषद द्वारा स्वल्पाहार की उत्तम व्यवस्था रही। चंदकुआँ चौराहा स्थित महारानी लक्ष्मीबाई स्मारक पर विधायक सहित अन्य लोगों ने महारानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर बोलते हुए विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्र प्रेम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें सभी की सहभागिता और सहयोग निश्चित रूप से सराहनीय रहा है। संचालन राजेंद्र दुबे ने किया। इस मौके पर अमित निरंजन, रामलखन औद्यिच्य, सोनू पटेल बोहरा, सत्येंद्र निरंजन शीलू, सुनील शर्मा, सुनील लोहिया, मुनिया बसोव, बाबूराम पाल, विपिन पटेल एड, गौरी चबोर, विकास पटेल धनौरा, अवधेश पटेल पचीपुरी, नरेंद्र द्विवेदी, मो वसीम सिद्दीकी, शीतल कुशवाहा, शीतल सिंह सेंगर, वंदना पांचाल, कढोरे बाबूजी, शिवप्रसाद निरंजन, सुशील दूरवार, गौरव तिवारी, रामबाबू निरंजन नरी, दीपक गर्ग, सौरभ पुरवार, अनिल अग्रवाल, नरेश वर्मा, अमरेंद्र दुबे आदि सहित कमला नेहरू बालिका विद्यालय, नाथूराम बालिका विद्यालय, एसटीके बालिका विद्यालय, बालिका विद्या मंदिर, अमरचंद माहेश्वरी विद्यालय, एसआरपी विद्यालय, विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल, रामस्वरूप रावत इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर, सूरजज्ञान स्कूल के विद्यार्थी, प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षकाएं और स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल रहे।

बरीपाल मंडल में भाजपा जिलाध्यक्ष ग्रामीण के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

कानपुर ग्रामीण। सजेती,बरीपाल हर घर तिरंगा अभियान के तहत् बुधवार को भाजपा बरीपाल मंडल द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारों के साथ निकली यात्रा ने पूरे क्षेत्र में देश भक्ति का माहौल बना दिया,इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष कानपुर ग्रामीण उपेंद्र पासवान, मंडल अध्यक्ष बरीपाल आशीष पाठक,, मंडल उपाध्यक्ष निरंजन प्रजापति,, मंडल मीडिया प्रमुख कमलेश कुमार शुक्ला, मंडल महामंत्री डॉ रणवीर सचान, मंडल मंत्री संतोष प्रजापति, भाजपा कानपुर ग्रामीण ने बताया कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य आम जनमानस में राष्ट्र की भावना को और मजबूत करना हैं प्रत्येक घर में तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करना हैं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक एवं स्कूली बच्चे शामिल रहे, वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा केवल देश का ध्वज नहीं बल्कि भारत की आन-बान शान का प्रतीक है, तिरंगा यात्रा लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला ,जगह जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया,इस मौके पर मंडल की सभी उपाध्यक्ष गण सभी महामंत्री गण, मंडल मंत्री गण जिला उपाध्यक्ष गण जिला कार्यसमिति गण एवं मंडल के सभी कार्य समिति गण बूथ अध्यक्ष गण सेक्टर संयोजक गण एवं सभी कार्य कर्ता गणों ने तिरंगा यात्रा उत्साह पूर्वक निकाली गई।

बहन की शादी के लिए चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जाजमऊ थाना पुलिस को एक बंद घर में की गई चोरी के अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। अभियुक्त ज़फ़र ने पूछताछ में बताया कि उसने यह चोरी अपनी बहिन की शादी में गहने आदि देने के लिए की है। अभियुक्त की बहिन की शादी अभी हाल ही में है। यह जानकारी देते हुए अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी शिवा सिंह ने बताया कि जाजमऊ थाना क्षेत्र की निवासी वादिनी सूफिया पत्नी अनीस ने जाजमऊ थाना पर एफआईआर दर्ज कराई थी कि दिनांक 10.8.26 को जब वो लोग घर में ताला डालकर लखनऊ गये थे तो किसीने उनकी छत से खिड़की तोड़कर अंदर आकर अलमारी में रखे गहने और रुपए चोरी कर लिए हैं। अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कई टीमें बनाई गई, और खुफिया तंत्र भी मजबूत किया गया तथा सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले गये। विवेचना के क्रम में मुकदमा उपरोक्त सम्बन्धित प्रकाश में आया अभियुक्त जफर पुत्र स्व0 मो0 सलीम निवासी किराये का मकान/ आराजी नंबर 690 तकुआ मस्जिद के पास ताडबगिया थाना जाजमऊ कानपुर नगर उम्र 19 वर्ष को उ0नि0 श्री अमित कुमार मय पुलिस बल द्वारा माल मुल्जिमान के गिरफ्तार किया गया है माल बरामदगी के आधार पर मुकदमा में धारा 317 (2) बीएनएस की बढौत्तरी की गयी तथा गिरफ्तार शुदा अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। अभियुक्त के पास से 4 अदद अंगूठी सोने की, 1 जोड़ी कान के बूंदे सोने के,1 अदद जोड़ी कान के झुमके सोने के,1 टूटी हुई चेन सोने की, 4 अदद चूड़ियाँ चांदी की,1 20/- का आयताकार सफेद धातु का सिक्का 1 1/- का सफेद धातु का गोल सिक्का,1 अदद सफेद धातु का घुंघरू बरामद हुए हैं।

महिला कांवड़िये के दो वर्षीय बेटे की हालत बिगड़ी

गोला गोकर्णनाथ खीरी- धौरहरा थाना क्षेत्र के गांव महादेव कफारा से गोला शिवमंदिर में कांवड़ लेकर आरहे कांवड़ियों के जत्थे में आयी महिला कावड़िया गेंदा देवी के दो वर्षीय बेटे हिमांशु की अचानक तबियत बिगड़ गई, कांवड़ियों का जत्था केशवापुर में रुका हुआ था, जिसकी भनक पुलिस चौकी केशवापुर मे तैनात आरक्षी अरविंद कुमार फौजी को लगी, मां गेंदा देवी बिलखने लगी,अरविंद फौजी ने बिना समय गंवाए अपनी निजी गाड़ी से मां-बेटे को गोला सीएचसी पहुंचाया, जहां बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया, गया था, कुछ समय पश्चात उसके स्वास्थ्य मे सुधार होने पर उसकी अस्पताल से छुट्टी भी हो गई, आरक्षी के इस नेक कार्य की सराहना व उनकी भूरि भूरि प्रहंसा कांवड़िये के साथ कस्बेवासी भी कर रहे हैं।

कावड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का ब्लॉक प्रमुख ने किया स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ श्रवण मास तीसरे सोमवार पर जल अभिषेक करने के लिए आज विकासखंड भदपुरा के अनेक ऑन ग्रामों से कावड़ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के जत्थे रवाना हुए इसके लिए श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्राली आज की व्यवस्था करके अपने-अपने स्थान के शिव मंदिरों से एकत्रित होकर कछला घाट को जल लेने के लिए प्रस्थान किया। इसी क्रम में बबूरी से कावड़ियों के दल को भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने शिव भक्तों को अंग वस्त्र भेंट कर विदा किया नवादा इमामाबाद में विधायक डॉक्टर एमपी आर्य विजय पटेल ने भी शिव भक्तों को गमछे देकर उनको विदा किया यहां से भारी संख्या में शिव भक्त कछला घाट को जल लेने के लिए रवाना हुए हैं इसी क्रम में अमीर नगर को गुलड़ाई से विमलेश कुमार। करुआ साहिबगंज राजेंद्र कुमार पनवाडिया इलाका जलालपुर कृष्णपाल ढकिया बर्कली से संतोष तिगरी से बाबूराम किशनपुर कुइया से योगेश कुमार महमूदपुर से पूरनलाल पेहना से राजेंद्र कुमार गुसा बिहारीपुर अब्दुल रहमान से कमलेश नवादा इमामाबाद से भूमेंद्र राठौर मेथी नवदिया से प्रमोद कुमार आदि स्थानों से श्रावण मास के तीसरे सोमवार को जल अभिषेक करने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु कछला घाट को रवाना हुए हैं।

धूमधाम के साथ निकली सुंदरी मंडल की तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/विकासखंड भदपुरा के अंतर्गत भाजपा के सुंदरी मंडल में आयोजित तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया इस यात्रा में भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार भूमि विकास बैंक के प्रदेश उपाध्यक्ष कुंवर रविंद्र सिंह राठौड़ विधायक डॉक्टर एमपी आर्य जिला मंत्री महिला मोर्चा डॉक्टर मीनाक्षी गंगवार मीना गंगवार के साथ ही बड़े गौरव के साथ तिरंगा यात्रा का आयोजन। जवेदा के पंचायत भवन से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया यहां से गांव में भ्रमण करते हुए माधौपुर जाने वाली सड़क के तिराहे पर बने शिव मंदिर पर जाकर समाप्त हुई इस तिरंगा यात्रा में सम्मिलित वीरेंद्र सिंह मेमोरियल कन्या इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया भारी भीड़ के साथ इस तिरंगा यात्रा में लोग सम्मिलित हुए। इसमें ग्राम प्रधान गंगाराम एवं अन्य भाजपा के कार्य करता भी सम्मिलित हुए इसमें विशेष रूप से सुंदरी मंडल के अध्यक्ष ठाकुर जयदीप सिंह के इस क्षेत्र में निकाली गई तिरंगा यात्रा में जुटी भीड़ से जनप्रतिनिधि हुए गदगद इसके बाद शिव मंदिर पर पहुंचने के बाद भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने अपने संबोधन में सभी का आभार व्यक्त किया। और कहा यह तिरंगा यात्रा अभी तक केवल 15 अगस्त 26 जनवरी के पर्वों पर केवल सरकारी कार्यालय पर ही सीमित थी परंतु देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आजादी का गौरव बढ़ाते हुए इस तिरंगा यात्रा को प्रत्येक जगह पर संचालित करने का कार्य किया यह हम सबके लिए गौरव का विषय है साथ ही यह तिरंगा यात्रा उन अमर शहीदों के लिए भी यादगार है। जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना परिवार के साथ अपना जीवन इस देश को समर्पित किया यह उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि और श्रद्धांजलि भी है आज हम सब उनके ऋणी हैं यदि उन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी कुर्बानी ना दी होती तो हम आज भी गुलाम होते और इस तिरंगे को सलाम नहीं कर पाते यहीं पर घूम विकास बैंक के प्रदेश उपाध्यक्ष कुंवर रविंदर सिंह राठौर ने अपने संबोधन में कहा यह तिरंगा यात्रा हम सबके लिए गौरव का विषय है। परंतु जब तक देश की 140 करोड़ आबादी के हाथ में यह तिरंगा ध्वज नहीं आएगा तब तक इस आजादी का पूर्ण आनंद प्राप्त नहीं हो पाएगा इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम को संचालित किया है जिसके तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया यहां पर उपस्थित भाजपा के सुंदरी मंडल अध्यक्ष ठाकुर जयदीप सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष जमुना प्रसाद कश्यप डॉक्टर मीनाक्षी गंगवार विधायक डॉक्टर आर्य पूर्वब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र कुमार गंगवार उर्फ पिंटू नदकिशोर श्रीवास्तव समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

नगला बीच मंडल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- भारतीय जनता पार्टी जिला फिरोजाबाद के नगला बीच मंडल में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में क्षेत्र की जनता ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा झंडा लेकर पहुंचे लोगों ने 'भारत माता की जय' और राष्ट्रभक्ति के जयकारों से पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह रहे। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने पूरे उत्साह के साथ तिरंगा यात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं में देशभक्ति का जोश और उत्साह देखने को मिला। तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन भाजपा नगला बीच मंडल अध्यक्ष अजीत कुशवाहा एवं मंडल प्रभारी दिनेश गुप्ता सहित मंडल के समस्त पदाधिकारीगण के नेतृत्व में किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने यात्रा को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में क्षेत्र की जनता का उत्साह देखते ही बन रहा था। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर लोगों ने देश के प्रति अपना सम्मान और प्रेम प्रकट किया।

भारत माता की जय और राष्ट्रभक्ति के जयकारों से वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। जगह-जगह लोगों ने तिरंगा यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत भी किया। कार्यक्रम में भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। पूर्व विधायक शिव सिंह चक, हनुमंत बघेल, नीलम दिवाकर, विनोद कुमार सिंह बिन्नू, महेश माहौर, संदीप जैन, के. गुप्ता, विक्रम सिंह, सत्यम सिंह, अतुल गुप्ता एवं अमरपाल राजपूत सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रप्रेम और एकता का दिया संदेश

तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने में अपना योगदान दे। भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़ी भीड़ और लोगों के उत्साह ने आयोजन को यादगार बना दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और एकता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

टूण्डला में आज निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगेगा नगर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर टूण्डला में 13 अगस्त, दिन गुरुवार को भव्य एवं दिव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा को लेकर नगरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा के दौरान पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आएगा।

शाम 4 बजे दीपा चौराहे से होगी शुरुआत

भव्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ शाम 4 बजे दीपा चौराहे से होगा। यहां से यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए तहसील टूण्डला तक पहुंचेगी। यात्रा में बड़ी संख्या में नगरवासी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश देते हुए शामिल होंगे।

सामाजिक संगठनों से लेकर युवा और मातृशक्ति तक की सहभागिता

तिरंगा यात्रा में नगर के विभिन्न सामाजिक संगठन, संस्थाएं, जनप्रतिनिधि, व्यापारी, युवा, मातृशक्ति एवं नगरवासी बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे। यात्रा को भव्य स्वरूप देने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। तिरंगे के साथ निकलने वाली इस यात्रा में देशभक्ति के नारों से नगर का वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत नजर आएगा।

देश की आन-बान-शान का प्रतीक बनेगा तिरंगा

तिरंगा केवल देश का राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों में राष्ट्रीय गौरव, एकता, भाईचारे और देश के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा। यात्रा में शामिल होने वाले लोग हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करेंगे।

नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील

आयोजकों ने टूण्डला नगरवासियों से अपील की है कि इस गौरवपूर्ण तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप प्रदान करें। आयोजकों का कहना है कि यात्रा पूरे उत्साह, उमंग और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ निकाली जाएगी।

दीपा चौराहे से तहसील तक गूंजेगा देशभक्ति का संदेश

दीपा चौराहे से तहसील टूण्डला तक निकलने वाली यह तिरंगा यात्रा नगरवासियों के लिए राष्ट्रभक्ति, एकता और भाईचारे का संदेश देने वाली विशेष यात्रा होगी। 13 अगस्त की शाम टूण्डला की सड़कों पर लहराता तिरंगा और देशभक्ति के नारों से गूंजता वातावरण नगर की एकजुटता और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रदर्शित करेगा।

विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने मुख्य बाजार में किया तिरंगा वितरण, दुकानदारों में दिखा उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूंडला, फिरोजाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से टूंडला विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने बुधवार को टूंडला के मुख्य बाजार में दुकानदारों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित किया। विधायक ने बाजार में पहुंचकर दुकानदारों से मुलाकात की और उन्हें तिरंगा भेंट कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

दुकानदारों से किया आत्मीय संवाद

विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने मुख्य बाजार की विभिन्न दुकानों पर पहुंचकर दुकानदारों को तिरंगा झंडा प्रदान किया। इस दौरान उनका सरल और शालीन व्यवहार लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। उन्होंने दुकानदारों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और स्वतंत्रता दिवस को उत्साह एवं सम्मान के साथ मनाने का आह्वान किया। तिरंगा वितरण के दौरान बाजार में मौजूद व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। दुकानदारों ने विधायक के इस पहल की सराहना करते हुए तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

राष्ट्रप्रेम और एकता का दिया संदेश

विधायक ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाने और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने की अपील की। तिरंगा वितरण कार्यक्रम के दौरान विधायक के साथ भाजपा नगर अध्यक्ष आजाद जैन, दीपक चौधरी सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता, सभासद एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने भी दुकानदारों और बाजार में मौजूद लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने की अपील की।

मुख्य बाजार में दिखा देशभक्ति का माहौल

विधायक द्वारा दुकानदारों को तिरंगा वितरित किए जाने के बाद मुख्य बाजार में देशभक्ति का माहौल नजर आया। दुकानदारों ने तिरंगे को सम्मानपूर्वक स्वीकार किया।

इस दौरान लोगों ने राष्ट्र के प्रति अपने सम्मान और प्रेम का प्रदर्शन करते हुए स्वतंत्रता दिवस को उत्साहपूर्वक मनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया। विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान देने वाले वीरों को याद करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने का भी दिन है।

सड़क किनारे खड़े 209 वाहनों पर कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 209 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई । यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली विशाल तिरंगा यात्रा, तिरंगे के रंग में रंगा शहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बुधवार को सरसैया घाट से ग्रीन पार्क स्टेडियम तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में आन-बान-शान से लहराता तिरंगा और चेहरों पर देश के प्रति गर्व का भाव लिए हजारों कदम एक साथ आगे बढ़े तो पूरा यात्रा मार्ग राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग गया। जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों, युवाओं, सुरक्षाबलों के जवानों, विभिन्न विभागों के कार्मिकों और आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। यात्रा के साथ चल रहे विद्यार्थियों और स्काउट के बैंड ने देशभक्ति की धुनें बजाकर समा बांध दिया। बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। भारत माता की जय के उद्घोष के साथ अमर शहीदों को नमन करते नारे लगातार गूंजते रहे। हाथों में लहराते राष्ट्रध्वज, बैंड की देशभक्ति से ओतप्रोत धुनों और नारों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। तिरंगा यात्रा में विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक सरोज कुरील, विधायक नीलिमा कटियार, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन और प्रशिक्षु आईएएस संदीप कुमार शामिल हुए। स्कूली छात्र-छात्राओं, आईटीबीपी एवं अन्य सुरक्षा बलों के जवानों, एनसीसी कैडेटों, स्काउट, विभिन्न विभागों के कार्मिकों और बड़ी संख्या में शहरवासियों की भागीदारी ने यात्रा को जनोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। तिरंगा यात्रा का विशेष आकर्षण भारत माता की झांकी रही। इसमें छात्राओं ने भारत माता के साथ वैज्ञानिक, अधिवक्ता, पुलिसकर्मी और प्रशासक की भूमिका निभाई। झांकी के माध्यम से वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से वर्ष 1950 में देश का संविधान लागू होने तक की उपलब्धि तथा इसके बाद निरंतर प्रगति करते हुए विकसित भारत की ओर बदलती तस्वीर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत की गई। झांकी ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से लेकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते आधुनिक भारत की गौरवगाथा को जीवंत कर दिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि तिरंगा देश के गौरव, स्वाभिमान और एकता का प्रतीक है। उन्होंने जनपदवासियों से अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप देने की अपील की।

विकास कार्यों पर उठे गंभीर सवाल, ग्रामीणों ने प्रधान-सचिव पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नायगांव-खीरी। विकास खंड पसगवां की ग्राम पंचायत नयागांव में विकास कार्यों को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव पर मिलीभगत कर सरकारी धन के बंदरबांट के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कई हिस्सों में पिछले करीब 15 वर्षों से न तो नाली का निर्माण कराया गया और न ही खड़ंजा बिछाया गया। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान उन्होंने कई बार ग्राम प्रधान से अपने मोहल्ले में नाली और खड़ंजा निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार उन्हें जल्द कार्य कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन पांच वर्ष बीत जाने के बावजूद आज तक उनके हिस्से में कोई विकास कार्य नहीं कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि नाली और खड़ंजा न होने के कारण बरसात के समय जलभराव और कीचड़ की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। रास्ते पर पानी और कीचड़ भरा रहने से बुजुर्गों, बच्चों और आम ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी होती है। कई

बार लोग फिसलकर गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक ओर ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए वर्षों से तरस रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन खर्च किए जाने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल माह में सरकारी वाउचरों के आधार पर करीब 14 लाख रुपये से अधिक की धनराशि का भुगतान किया गया, लेकिन इसके बावजूद उनके मोहल्ले में नाली और खड़ंजे का निर्माण नहीं कराया गया। ग्रामीणों ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं तो उनके मोहल्ले में वर्षों से चली आ रही जलभराव और कीचड़ की समस्या का समाधान क्यों नहीं हुआ? ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।

शिकायत के बाद भी जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

बताया गया कि मामले को लेकर एक संवाददाता द्वारा ब्लॉक और जिले के संबंधित अधिकारियों को शिकायत एवं जानकारी दी गई, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार न तो अब तक गांव पहुंचकर कोई जांच की गई और न ही जिम्मेदारों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई दिखाई दी। ग्रामीणों का आरोप है कि एडीओ पंचायत, खंड विकास अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी लखीमपुर और जिला पंचायत राज अधिकारी जैसे जिम्मेदार अधिकारियों को मामले की जानकारी दिए जाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि अधिकारियों से संपर्क करने पर कई बार फोन रिसीव नहीं किया जाता और संदेशों का भी जवाब नहीं मिलता। अब ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत नयागांव में पिछले वर्षों के दौरान कराए गए सभी विकास कार्यों, भुगतान, वाउचर, मस्टर रोल और कार्यस्थल का स्थलीय सत्यापन कराया जाए। यदि जांच में सरकारी धन के दुरुपयोग या अनियमितता की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें आश्वासन नहीं, अब मौके पर विकास कार्य और निष्पक्ष जांच चाहिए। वहीं, लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र एवं आधिकारिक जांच के बाद ही उनकी वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

सिंगाही के लाल काशी पांडे ने गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में बनाई जगह

सिंगाही खीरी। सिंगाही कस्बे के वार्ड नंबर 11, मोहल्ला कांजी हाउस निवासी काशी पांडे ने अपनी खेल प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। काशी पांडे का चयन लखनऊ स्थित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में कक्षा छह में हुआ है। उनकी सफलता से परिवार, विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। काशी पांडे ने गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश के लिए आयोजित मंडलीय परीक्षा में प्रतिभाग किया था। प्रदेश स्तर पर सीमित सीटों के लिए हुई चयन प्रक्रिया में काशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की और कॉलेज में अपना स्थान पक्का किया। काशी की प्रारंभिक शिक्षा सिंगाही के एक मॉन्टेसरी स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने कक्षा पांच तक की शिक्षा एमके मेमोरियल पब्लिक स्कूल, सिंगाही में प्राप्त की। उनकी सफलता में विद्यालय के शिक्षकों के साथ-साथ कोच पराक्रम शाह के मार्गदर्शन और मेहनत की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। काशी की इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता तुषार पांडे और विद्यालय प्रबंधन सहित क्षेत्र के लोगों ने खुशी जताई। विद्यालय प्रबंधन ने काशी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करने की कामना की।

केवाईसी जमा कराने रामकृष्णनगर जाने से गैस उपभोक्ता परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के दुल्लभछड़ा इलाके के गाजी गैस उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर संबंधी विवरण में संशोधन और केवाईसी (ग्राहक पहचान प्रक्रिया) जमा कराने के लिए रामकृष्णनगर जाना पड़ रहा है। इससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने दुल्लभछड़ा में ही केवाईसी जमा कराने की व्यवस्था करने की मांग की है। उपभोक्ताओं का कहना है कि दुल्लभछड़ा से रामकृष्णनगर जाने के रास्ते में आनुपुर का पुल लंबे समय से जर्जर है। वहीं, विद्यानगर होकर रामकृष्णनगर जाने वाली सड़क की स्थिति भी खराब है। ऐसे में केवल केवाईसी जमा कराने के लिए दूर जाना लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है।

दिहाड़ी मजदूरों को हो रहा नुकसान

स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार, केवाईसी जमा कराने के लिए दिहाड़ी मजदूरों को एक दिन का काम छोड़ना पड़ रहा है। इससे उनकी मजदूरी का नुकसान होने के साथ आने-जाने का खर्च भी बढ़ रहा है। बुजुर्गों और बीमार उपभोक्ताओं के लिए भी इस भीषण गर्मी में रामकृष्णनगर तक जाना कठिन हो रहा है।

दुल्लभछड़ा में विशेष शिविर की मांग

उपभोक्ताओं ने श्रीभूमि जिला प्रशासन और गाजी गैस एजेंसी प्रबंधन से दुल्लभछड़ा में ही केवाईसी जमा करने के लिए विशेष शिविर लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में गैस उपभोक्ता हैं, इसलिए स्थानीय स्तर पर व्यवस्था किए जाने से लोगों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिल सकती है।

16 अगस्त की समयसीमा बढ़ाने की अपील

उपभोक्ताओं ने केवाईसी जमा करने की 16 अगस्त की अंतिम तिथि बढ़ाने की भी मांग की है। उनका कहना है कि खराब सड़क संपर्क और कम समय के कारण कई उपभोक्ता निर्धारित तिथि तक प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाएंगे। ऐसे में अतिरिक्त समय दिया जाना जरूरी है, ताकि किसी भी उपभोक्ता को गैस सेवा से संबंधित परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और गाजी गैस एजेंसी से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर दुल्लभछड़ा में केवाईसी जमा कराने की व्यवस्था करने और समयसीमा बढ़ाने की मांग की है।

इलेक्ट्रॉनिक रोटी मेकर में छिपाकर भेजी जा रही 1 किलो 138 ग्राम अफीम बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साहनेवाल, लुधियाना। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से मिली सूचना के आधार पर साहनेवाल पुलिस ने डाकघर में पहुंचे एक पार्सल की जांच कर इलेक्ट्रॉनिक रोटी मेकर के अंदर छिपाकर रखी गई 1 किलो 138 ग्राम अफीम बरामद की। अफीम को दो काले मोमी लिफाफों में छिपाकर भेजा जा रहा था। नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो के सेक्टर-66, मोहाली से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम साहनेवाल के फर्नीचर मार्केट स्थित जीटी रोड डाकघर पहुंची। यहां दीपक भाटिया के नाम आए पार्सल की ई-स्कैनिंग और वीडियोग्राफी के बाद जांच की गई। पार्सल खोलने पर कपड़ों के नीचे इलेक्ट्रॉनिक रोटी मेकर रखा मिला। रोटी मेकर को खोलने पर उसके ऊपरी और निचले हिस्से में छिपाए गए दो काले मोमी

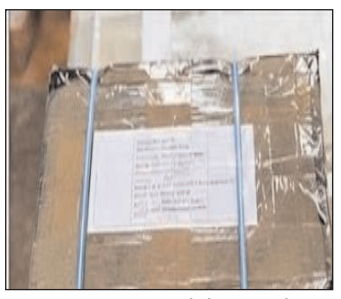

लिफाफे बरामद हुए। दोनों लिफाफों की जांच करने पर कुल 1 किलो 138 ग्राम अफीम मिली। बरामदगी की पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई। पार्सल में दो काले कुर्ते, दो काले-भूरे रंग की पगड़ियां, सफेद व काले रंग की टी-शर्ट, काले-भूरे रंग के छोटे दुपट्टे और अलग-अलग रंगों के छह जोड़ी मोजे भी मिले। मामले में मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 18 के तहत कार्रवाई की गई है।

सैनी जागृति मंच ने मेयर परवीन सैनी को सम्मानित किया

होशियारपुर- सैनी जागृति मंच पंजाब ने परवीन सैनी को नगर निगम होशियारपुर का मेयर बनने पर बैज ऑफ़ ऑनर देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मंच के सदस्यों ने उन्हें नई ज़िम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह शहर की बेहतरी के लिए हर पहलू पर नज़र रखकर होशियारपुर को और सुंदर बनाने का काम करेंगी। मंच के सदस्यों ने कहा कि शहर के विकास और बेहतरी के लिए जहां भी सैनी जागृति मंच पंजाब की ज़रूरत होगी, मंच हमेशा मेयर परवीन सैनी के साथ खड़ा रहेगा। इस मौके पर सैनी जागृति मंच पंजाब के अध्यक्ष कुलवंत सिंह, महासचिव हरिंदर सैनी बिट्टू, ज़िला अध्यक्ष प्रेम सैनी, ज़िला युवा अध्यक्ष किरपाल सिंह पाली, सूरत सिंह सैनी, अमोलक चंद सैनी, चमन लाल सैनी, सैनी समाज के अध्यक्ष कमलजीत सिंह भूपा, पार्षद दरिप्पन सैनी, रिचा सैनी, शिल्पा सैनी और दीक्षा सैनी के साथ-साथ अन्य सदस्य मौजूद थे।

लमीणी स्टेडियम के 1 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन और रिमोट-संचालित विमान उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पठनकोट- 15 अगस्त 2026 को मल्टीपर्पज खेल स्टेडियम, लमीणी, पठनकोट में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता कर दिया है। इसके चलते समारोह स्थल के आसपास ड्रोन और रिमोट से चलने वाले माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट जैसे उपकरणों के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। आदेश और धाराएं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पठनकोट, अरशदीप सिंह (पी.सी.एस.) ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किए हैं। प्रतिबंध का दायराः मल्टीपर्पज खेल स्टेडियम, लमीणी के चारों ओर 1 किलोमीटर के दायरे में यह प्रतिबंध लागू रहेगा। समय सीमाः यह पाबंदी 14 अगस्त 2026 से 15 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगी।

मैरिज पैलेस के मालिकों के लिए निर्देश

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने कार्यक्रम स्थल के आसपास स्थित मैरिज पैलेसों के मालिकों को भी सख्त निर्देश दिए हैं कि वे 14 और 15 अगस्त को अपने परिसरों में ड्रोन के इस्तेमाल की अनुमति न दें। यह कदम समारोह में शामिल होने वाले वीआईपी, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है।

समारोह की मुख्य बातें

15 अगस्त को लमीणी स्टेडियम में होने वाले इस जिला स्तरीय स्वतंत्रता

दिवस समारोह में पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद्र कटारूचक्क मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और भव्य परेड की सलामी लेंगे। यह प्रतिबंध सुरक्षा में तैनात पैरा मिलिट्री फोर्स, मिलिट्री फोर्स और सरकारी ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा।

डिलीवरी के बाद महिला की मौत, परिजनों ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

लखीमपुर-खीरी। श्याम नगर स्थित नाइस नर्सिंग होम (एलआरपी चौराहा, गोला रोड) में डिलीवरी के बाद एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर कामरान अहमद पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि डिलीवरी के बाद महिला की तबीयत लगातार बिगड़ती गई, लेकिन समय पर उचित उपचार नहीं मिला। उनका आरोप है कि चिकित्सकीय लापरवाही के कारण महिला की जान चली गई। घटना के बाद अस्पताल में परिजनों का आक्रोश देखने को मिला। उन्होंने डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की अपील की है। फिलहाल इस मामले में डॉक्टर या अस्पताल प्रबंधन का पक्ष सामने नहीं आया है। वहीं, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

लुधियाना के प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में शामिल दो व्यक्ति ग्लॉक पिस्तौल सहित गिरफ्तार

संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के खात्मे के लिए प्रतिबद्धः डीजीपी गौरव यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़/लुधियाना- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए, एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब ने लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में लुधियाना के प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में वांछित दो आरोपियों को एक 9 एम.एम. ग्लॉक पिस्तौल और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मनजीत सिंह उर्फ बॉबी और मोहित कुमार, दोनों निवासी चंद्रलोक कॉलोनी, लुधियाना के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, 7 अगस्त, 2026 को रात लगभग 11:30 बजे लुधियाना के सुतंत्र नगर में पिस्तौलों और धारदार हथियारों से लैस कई व्यक्तियों ने हरजिंदर सिंह उर्फ हैरी झंडा पर हमला कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप उसकी मौत हो गई थी।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी मनजीत सिंह उर्फ बॉबी का आपराधिक पृष्ठभूमि है और वह इरादा-ए-कत्ल और एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत दर्ज मामलों सहित कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और लुधियाना शहर के क्षेत्र में एक स्थानीय गैंग चला रहा था। उन्होंने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है। डीजीपी ने पूरे राज्य में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के खात्मे के प्रति पंजाब पुलिस की प्रतिबद्धता को दोहराया।ऑपरेशन के बारे में विवरण साझा करते हुए पुलिस अतिरिक्त महानिदेशक (ए.डी.जी.पी.) ए.जी.टी.एफ. प्रमोद बान ने बताया कि ए.जी.टी.एफ. की पुलिस टीमों को हरजिंदर सिंह हत्याकांड में वांछित दो आरोपियों के ठिकानों के बारे में पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी, जिसे तुरंत तकनीकी सेल के साथ साझा किया गया और दोनों आरोपियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई। उन्होंने बताया कि तकनीकी जानकारी पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर विक्रमजीत सिंह के नेतृत्व में ए.जी.टी.एफ. की टीमों ने कमिश्नरेट लुधियाना पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया और दोनों आरोपियों को टिब्बा इलाके से गिरफ्तार कर लिया। अधिक विवरण साझा करते हुए पुलिस आयुक्त (सी.पी.) लुधियाना स्वपन शर्मा ने बताया कि वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें काबू करने के लिए पुलिस टीमों द्वारा छापेमारी की जा रही है।इस संबंध में थाना टिब्बा, कमिश्नरेट लुधियाना में भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धाराओं 103, 324(4), 307, 191(3) और 190 तथा शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25 और 27 के तहत दिनांक 08.08.2026 को एफ.आई.आर. सं. 182 पहले ही दर्ज की जा चुकी है।

MLA सिद्धू की अध्यक्षता में पंजाब स्कूटर बाज़ार एसोसिएशन के साथ ज़रूरी मीटिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- आत्म नगर विधानसभा क्षेत्र से ऋ कुलवंत सिंह सिद्धू की अध्यक्षता में स्थानीय बचत भवन में पंजाब स्कूटर बाज़ार एसोसिएशन के साथ एक ज़रूरी मीटिंग हुई, जिसमें Vahan 4.0 से जुड़ी गंभीर दिक्कतों पर चर्चा की गई। मीटिंग के दौरान स्कूटर व्यापारियों ने ऋ सिद्धू के ध्यान में लाया कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से जुड़े Vahan 4.0 में OTP और दूसरी टेक्निकल दिक्कतों की वजह से व्यापारियों को गाड़ियों की खरीद- बिक्री, ओनरशिप बदलने, हायर परचेज़ डिडक्शन/इनक्रीज़ से जुड़े कामों में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके पर पंजाब स्कूटर बाज़ार एसोसिएशन पंजाब के प्रेसिडेंट दीपक अरोड़ा और चेयरमैन गुरतेज सिंह तेजा के साथ-साथ पंजाब के अलग-अलग जिलों से बड़ी

संख्या में स्कूटर व्यापारी भी मौजूद थे। एसोसिएशन ने पंजाब सरकार और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से मांग की कि इन समस्याओं का तुरंत और हमेशा के लिए समाधान किया जाए, जिससे पंजाब राज्य के हजारों स्कूटर व्यापारियों को राहत मिलेगी और उनका व्यापार भी आसानी से चल सकेगा। MLA कुलवंत सिंह सिद्धू ने एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साफ किया कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से संपर्क करके Vahan 4.0 में ओनरशिप चेंज, हायर परचेज़ डिडक्शन/एडिशन, OTP और दूसरी समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जाएगा।

पालिवाल हॉल में 13 अगस्त को सायं 4 बजे होगा बी0 बी0 जी0 राम0 जी0 पंच सम्मेलन

फ़िरोज़ाबाद- जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के दिशा निर्देशों के अनुपालन में मनरेगा (बी0बी0जी0राम0जी0 योजना) की समीक्षा तथा इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जनपद स्तर पर 'पंच सम्मेलन का आयोजन' पालीवाल हॉल में किया जाएगा। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों (प्रधानों व अन्य जन प्रतिनिधियों) तक योजनाओं की सटीक एवं पूरी जानकारी पहुँचाना है, ताकि किसी भी स्तर पर सूचना का अभाव न रहें और विकास कार्यों का लाभ पारदर्शी तरीके से हर ग्राम पंचायत तक पहुंच सके। जिलाधिकारी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में बी0बी0जी0राम0जी0 व सम्बन्धित ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार पर व्यापक जोर दिया जाएगा। डीसी नरेगा तूलिका श्रीवास्तव ने बताया कि सम्मेलन में त्रिस्तरीय व्यवस्था के प्रतिनिधियों को शामिल कर योजना की विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी, जिससे वह यह जानकारी अपने क्षेत्र के नागरिकों को दे सके और तदोपरांत नागरिक इसका लाभ उठा सके। साथ ही साथ इस सम्मेलन के माध्यम से इस महत्वपूर्ण योजना को पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचाना है, जिससे इसमें निहित उद्देश्य सफल हो सके और जनता इसका लाभ उठा सके। यह समस्त कार्यक्रम पालिवाल हॉल में कल शाम 4 बजे होगा।

चंदन ग्रेवाल ने सफाई कर्मचारियों को सैलरी बढ़ने पर दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- पंजाब स्टेट सफाई कर्मचारी कमीशन के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल ने सफाई कर्मचारियों की सैलरी 10,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये करने पर उन्हें बधाई दी और कहा कि पंजाब सरकार सफाई कर्मचारियों की भलाई के लिए जो कोशिशें कर रही है, वे तारीफ के काबिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और उनकी भलाई के लिए पूरी तरह से तैयार है। वह आज नगर निगम के अधिकारियों, अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारियों और नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के साथ एक मीटिंग में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मीटिंग का मुख्य मकसद सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और सरकार की पॉलिसी पर चर्चा करना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को पूरी लगन से सरकार के ध्यान में लाया जाएगा और उनकी भलाई के लिए सही फैसले लेने की लगातार कोशिश की जाएगी। ग्रेवाल ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा रहा है। कमीशन का मुख्य मकसद राज्य के अलग-अलग डिपार्टमेंट में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों की भलाई पक्का करना है। मीटिंग के दौरान, सफाई कर्मचारियों ने पंजाब सरकार की कोशिशों की तारीफ़ की और चेयरमैन के सामने अपनी अलग-अलग मांगें रखीं। चेयरमैन चंदन ग्रेवाल ने कर्मचारियों की सभी मांगों को ध्यान से सुना और भरोसा दिलाया कि कमीशन इन मांगों को सरकार तक पहुंचाने और जल्द से जल्द हल करवाने के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों से आपस में तालमेल बनाकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि मिलकर कोशिश करने से शहर के सफाई सिस्टम को और बेहतर, ज़्यादा कुशल और असरदार बनाया जा सकता है। इससे शहर के लोगों को एक हेल्दी और साफ़ माहौल देने में भी मदद मिलेगी। इस मौके पर मेयर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कुंदन गोगिया, कमिश्नर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पूजा सियाल, जॉइंट कमिश्नर सिमरप्रीत कौर के अलावा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारी और सफाई कर्मचारी मौजूद थे।

बाढ़ पीड़ितों के लिए चाय श्रमिकों ने बढ़ाया मदद का हाथ, अपनी साप्ताहिक मजदूरी से जुटाए 55 हजार रुपये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम के शिवसागर, गोलाघाट समेत कई जिलों में आई भीषण बाढ़ के बीच शिलकुड़ी चाय बागान के श्रमिकों ने मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की है। बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए बागान के चार डिवीजन के श्रमिकों ने अपनी साप्ताहिक मजदूरी से करीब 55 हजार रुपये जुटाए हैं। 12 अगस्त बुधवार को शिलचर स्थित बराक चाय श्रमिक यूनियन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में श्रमिकों की ओर से यह सहायता राशि यूनियन के महासचिव एवं उधारबंद के विधायक राजदीप ग्वाला को सौंपी गई। यह राशि असम मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराई जाएगी।

चार डिवीजन के श्रमिकों का योगदान

शिलकुड़ी मेन डिवीजन, भोराखाई, दुर्गाकोना और धरमखाल डिवीजन के श्रमिकों ने सामूहिक रूप से इस राशि का योगदान किया। प्रत्येक श्रमिक ने अपनी साप्ताहिक मजदूरी में से 100 रुपये राहत

कार्य के लिए दिए। सीमित आय के बावजूद श्रमिकों द्वारा किए गए इस योगदान की कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में चारों डिवीजन के श्रमिक पंचायत प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इनमें बड़कू गौड़, मिनी दुसाध सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल थे।

'संकट की घड़ी में सभी आगे आएं'

इस अवसर पर राजदीप ग्वाला ने कहा कि शिवसागर, गोलाघाट और राज्य के अन्य हिस्सों में बाढ़ की स्थिति गंभीर है। बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की जरूरत है। ऐसे संकट के समय समाज के हर वर्ग को अपनी क्षमता के अनुसार बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाय श्रमिकों की आय सीमित है, इसके बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से प्रति व्यक्ति 100 रुपये का योगदान देकर करीब 55 हजार रुपये जुटाए हैं। उन्होंने इस पहल को मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण बताया। ग्वाला ने कहा कि आने वाले दिनों में यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराई जाएगी और मुख्यमंत्री को भी चाय श्रमिकों की इस पहल की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने चारों डिवीजन के श्रमिकों, श्रमिक पंचायत प्रतिनिधियों और बागान प्रबंधन का विशेष आभार जताया। प्रबंधन ने भी की पहल की सराहना शिलकुड़ी, भोराखाई, दुर्गाकोना और धरमखाल चाय बागान के महाप्रबंधक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए विभिन्न लोग और संगठन आगे आ रहे हैं। इसे देखते हुए बागान के श्रमिकों ने भी राहत कार्य में योगदान देने की इच्छा जताई। उन्होंने बताया कि श्रमिकों ने बैठक कर अपनी साप्ताहिक मजदूरी से प्रति व्यक्ति 100 रुपये देने का निर्णय लिया। चारों डिवीजन के श्रमिकों के सहयोग से लगभग 55 हजार रुपये एकत्र हुए, जिसे बुधवार को यूनियन के महासचिव को सौंप दिया गया। ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि सीमित आय के बावजूद श्रमिकों का बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना बेहद सराहनीय है।शिलकुड़ी चाय बागान के श्रमिकों की यह पहल आपदा की घड़ी में सामाजिक जिम्मेदारी, एकजुटता और मानवीय संवेदना की मिसाल बनकर सामने आई है। अपनी मेहनत की कमाई से जरूरतमंदों की मदद कर श्रमिकों ने समाज के सामने एक सकारात्मक और प्रेरणादायी संदेश पेश किया है।